दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 3 । अंक: 267 जयपुर, गुरुवार, 05 सितंबर, 2024 । भाद्रपद, शुक्ल पक्ष-द्वितीया, विसं 2081 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक: जनहित में कई अहम फैसले, सौगातों की बहार

पुलिस फोर्स में महिलाओं को 33% आरक्षण की मंजूरी

‘आपणो अग्रणी राजस्थान संकल्प पत्र-2023’ पर अमल

- पेंशनर्स को लाभ, हो जाएगी पेंशन में बढ़ोतरी
- पीपीओ में भी जुड़ेंगे विशेष योग्य बच्चों के नाम
- 3150 मेगावॉट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजनाएं मंजूर

बेधड़क । जयपुर

प्रदेश में विधानसभा के आसन्न उपचुनाव के ऐन पहले भजनलाल सरकार ने कई वर्गों, खासकर आधी आबादी को साधने के लिए राहत का पिटारा खोला है। दरअसल, प्रदेश के कई बड़े मुद्दों को लेकर सीएमओ में बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में करीब आधे घंटे चली कैबिनेट बैठक में प्रदेश की आम जनता और कर्मचारियों से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले लिए, जिसमें पुलिस अधीनस्थ सेवा नियम संशोधन को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा राजस्व विभाग के भूमि आवंटन से जुड़े मुद्दों को लेकर फैसला लिया गया। बता दें, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी की अध्यक्षता में बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित कैबिनेट की बैठक में महिला सशक्तीकरण, विशेष योग्यजन एवं वृद्धजन कल्याण और प्रदेश के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण फैसले किए गए। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा तथा विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मंत्रिमंडल द्वारा लिए गए निर्णयों की जानकारी दी।

पेंशनर्स को मिलेगा 5 प्रतिशत अतिरिक्त भत्ताः उप मुख्यमंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विधानसभा में राजस्थान विनियोग एवं वित्त विधेयक पर चर्चा के दौरान पेंशनर्स को राहत देते हुए 70 से 75 वर्ष के पेंशनर एवं पारिवारिक पेंशनर के लिए 5 प्रतिशत अतिरिक्त भत्ता दिए जाने की घोषणा की थी। इस क्रम में राजस्थान सिविल सेवा पेंशन नियम, 1996 के नियम 54बी को प्रतिस्थापित किए जाने की मंजूरी भी आज कैबिनेट में प्रदान की गई।

पुलिस में बढ़ेगा महिलाओं का प्रतिनिधित्व

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा ने बताया कि विधानसभा चुनाव से पहले ‘आपणो अग्रणी राजस्थान संकल्प पत्र-2023‘ में हमने महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पुलिस बल में महिलाओं की न्यूनतम 33 प्रतिशत भर्ती करने का वादा किया था। इसी संबंध में मंत्रिमंडल की बैठक में राजस्थान पुलिस अधीनस्थ सेवा नियम, 1989 में संशोधन के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया है। कार्मिक विभाग द्वारा इस बारे में शीघ्र अधिसूचना जारी की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस निर्णय से प्रदेश में महिलाओं को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध हो सकेंगे और राजस्थान पुलिस में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा। साथ ही, महिलाओं से जुड़े मामलों में पुलिस और अधिक संवेदनशीलता के साथ कार्य कर सकेगी।

परिवर्तित बजट घोषणाओं की समीक्षा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को बजटीय घोषणाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी समर्पण-निष्ठा के साथ राज्य सरकार की घोषणाओं एवं लक्ष्यों को तय समय में पूरा करें। शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में परिवर्तित बजट 2024-25 की घोषणाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गुड गवर्नेंस का मॉडल स्थापित करके आमजन की सेवा करना राज्य सरकार का प्रमुख ध्येय है। बजटीय घोषणाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर कार्यवाही लंबित नहीं होनी चाहिए। घोषणाओं के क्रियान्वयन में आने वाली व्यावहारिक बाधाओं को चिह्नित कर उनका त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। (विस्तृत समाचार पेज 2 पर)

कार्मिकों के विशेष योग्य बच्चों को राहत

डॉ. बैरवा ने बताया कि कैबिनेट ने राज्य सरकार के कार्मिकों के हित में एक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब राज्य सरकार के कार्मिकों की सेवानिवृत्ति पर अन्य पात्र सदस्य के नहीं होने पर स्थाई रूप से विशेष योग्य बच्चों, आश्रित माता-पिता और विशेष योग्य भाई-बहनों का नाम भी पेंशन पेमेंट ऑर्डर (पीपीओ) में जोड़ा जा सकेगा। इसके लिए केन्द्र सरकार के पेंशन नियमों के अनुरूप ही राजस्थान सिविल सेवा पेंशन नियम, 1996 के नियम 67 एवं 87 में संशोधन किए जाने की मंजूरी प्रदान की गई है।

उत्कृष्ट खिलाड़ियों की नियुक्ति की अधिसूचना में दो और सेवाएं शामिल

पटेल ने बताया कि उत्कृष्ट खिलाड़ियों को राज्य के अधीन सेवाओं में नियुक्तियों में 2 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान के संबंध में खिलाड़ियों की परिभाषा को सुस्पष्ट करने के लिए 21 नवंबर, 2019 को अधिसूचना जारी की गई थी। उत्कृष्ट खिलाड़ियों के संबंध में इस स्पष्टीकरण को प्रतिस्थापित किए जाने के समय यह प्रावधान दो सेवा नियमों “राजस्थान लैंग्वेज एंड लाइब्रेरी (स्टेट एण्ड सबॉर्डिनेट) सर्विस रूल्स, 2013” एवं “राजस्थान एक्साइज लैबोरेटरी (स्टेट एण्ड सबॉर्डिनेट) सर्विस रूल्स, 2015“ में सम्मिलित किए जाने से रह गए थे। उन्होंने बताया कि उत्कृष्ट खिलाड़ियों संबंधी स्पष्टीकरण को इन सेवा नियमों में शामिल करने के लिए नियमों में संशोधन के प्रारूप का मंत्रिमंडल की बैठक में अनुमोदन किया गया।

जैसलमेर के रामगढ़ में लगेगी सौर ऊर्जा परियोजना

प्रदेश के विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि राज्य सरकार बिजली उत्पादन बढ़ा कर प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। कैबिनेट की बैठक में 3 हजार 150 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए भूमि आवंटन की स्वीकृतियां प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि क्रिस्टेलाइन टेक्नोलॉजी विद ट्रैकर पर आधारित 3000 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना जैसलमेर जिले की उपनिवेशन तहसील रामगढ़ नं.-1 में लगाई जाएगी। राजस्थान भू-राजस्व (नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों पर आधारित शक्ति संयंत्र स्थापित करने के लिए भूमि आवंटन) नियम, 2007 के अंतर्गत कुल 6877.66 हेक्टेयर भूमि इस प्रोजेक्ट के लिए आवंटित की जाएगी। इसके अतिरिक्त 150 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना के लिए जैसलमेर जिले की फतेहगढ़ तहसील में 300 हेक्टेयर भूमि आवंटन के प्रस्ताव का भी अनुमोदन किया गया है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे एवं राज्य के राजस्व में बढ़ोतरी होगी।

जरूरी खबर

पेरिस पैरालिंपिक: सचिन खिलारी को शॉट पुट में रजत

पेरिस। पैरा-एथलीट सचिन खिलारी ने बुधवार को पेरिस पैरालिंपिक में पुरुषों की शॉट पुट एफ46 फाइनल में रजत पदक जीता। सचिन ने 16.32 मीटर थ्रो के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जो क्षेत्र का सर्वश्रेष्ठ (एबी) भी है। हालांकि, भारतीय एथलीट 0.6 मीटर से चूकने के कारण शीर्ष स्थान से चूक गए। हांग्जो में पिछले एशियाई पैरा खेलों में, सचिन ने स्वर्ण पदक जीता था। भारत ने अब तक 21 पदक जीत लिया है, जिसमें 3 स्वर्ण, 8 रजत और 10 कांस्य पदक शामिल हैं।

कंगना को झटका, ‘इमरजेंसी’ 6 को नहीं होगी रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस और बीजेपी की सांसद कंगना रनौत की फिल्म ‘इमरजेंसी’ इन दिनों सुर्खियों में बुनी हुई है। फिल्म को लेकर जमकर बवाल हो रहा है. इस बीच जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज ने फिल्म के लिए सेंसर सर्टिफिकेट की मांग करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया था, ताकि इसे 6 सितंबर को रिलीज करने पर फैसला हो सके। वहीं, बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा कि इस मामले में 18 तक निर्णय लेने के बाद कोर्ट में 19 सितंबर को सुनवाई होगी। जाहिर है, फिल्म 6 को रिलीज नहीं हो सकती।

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई ईडी को फटकार

‘इतनी सख्ती क्यों? सब कुछ पारदर्शी क्यों नहीं हो सकता’

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक मर्तबा फिर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से कई कड़े सवाल पूछे, जिसमें एक आरोपी द्वारा जांच के दौरान केंद्रीय एजेंसी द्वारा एकत्र किए गए हर दस्तावेज की मांग की गई। जस्टिस अभय एस ओका, अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की तीन न्यायाधीशों की बेंच मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दस्तावेजों की आपूर्ति से संबंधित अपील पर सुनवाई कर रही थी। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से एक विशेष प्रश्न पूछा कि किसी आरोपी को केवल तकनीकी आधार पर दस्तावेज देने से कैसे मना किया जा सकता है और कहा, “कभी-कभी ईडी के पास ऐसे निर्णायक दस्तावेज हो सकते हैं।”

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा, “केंद्रीय एजेंसी का तर्क है कि आरोपपत्र दाखिल करने के बाद यह निर्णायक दस्तावेज आरोपी को उपलब्ध नहीं कराया जा सकता(पीठ ने कहा, “क्या यह अनुच्छेद 21 (जो जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी देता है) के तहत उसके अधिकार का हनन नहीं करता है?”, आगे सवाल करते हुए पीठ ने पूछा, क्या केवल तकनीकी आधार पर आरोपी को दस्तावेज देने से मना किया जा सकता है?

अदालतें-एजेंसियां इतनी सख्त नहीं हो सकतीं

पीठ ने जोर देकर कहा, “सब कुछ पारदर्शी क्यों नहीं हो सकता?” पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि अदालतें और जांच एजेंसियां आरोपी को दस्तावेज देने के मामले में सख्त नहीं हो सकतीं। पीठ ने इस पहलू पर विस्तार से चर्चा की कि क्या जमानत के लिए आरोपी मुकदमे के चरण से पहले दस्तावेज मांग सकता है। ईडी का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने तर्क दिया कि अगर आरोपी को पता है कि दस्तावेज हैं, तो वह पूछ सकता है, लेकिन अगर उसे नहीं पता है और वह उस मामले में सिर्फ अनुमान लगाता है, तो वह जांच की मांग नहीं कर सकता।

अभियुक्त को हर दस्तावेज याद नहीं होता: बेंच ने कहा कि, मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में, एजेंसी हजारों दस्तावेज प्राप्त कर सकती है, लेकिन वह उनमें से केवल 50 पर ही निर्भर हो सकती है, और अभियुक्त को हर दस्तावेज याद नहीं हो सकता है। पीठ ने कहा, “फिर वह पूछ सकता है कि मेरे घर से जो भी दस्तावेज बरामद हुए हैं, वे मांगे जाएं।” एएसजी ने कहा कि आरोपी के पास दस्तावेजों की एक सूची है और जब तक यह “आवश्यक” और ‘वांछनीय’ न हो, तब तक वह उन्हें नहीं मांग सकता।

कई जगह बारिश रेलवे ट्रैक बहा नेशनल हाईवे बंद

जयपुर। प्रदेश के जोधपुर, उदयपुर में बीते दो दिन से हो रही भारी बारिश से हालात बिगड़ने लगे हैं। जोधपुर में भारी बारिश से चामुंडा नदी उफान पर है। जोधपुर-जैसलमेर रेलवे लाइन के नीचे से मिट्टी बहने के कारण ट्रैक को भी नुकसान हुआ है। बुधवार सुबह से यहां दो ट्रेनें कैंसिल हुई हैं और एक ट्रेन को रास्ते में रोका गया है। जोधपुर शहर में राणीसर-पदमसर से जालोरी गेट उफनती नदी की मानिंद पानी जेजी से बहा। इधर, उदयपुर-अहमदाबाद नेशनल हाईवे पर भी बुधवार सुबह 7 बजे लंबा जाम लग गया। दोपहर करीब सवा 1 बजे जाम खुला। लगातार बारिश के कारण बांसवाड़ा, डूंगरपुर, धौलपुर, चित्तौड़गढ़ और उदयपुर में बड़े डैम के गेट खोले गए हैं।

गणेशजी को लगा 251 किलो के लड्डू का भोग...

जयपुर। शहर के आराध्य मोतीडूंगरी गणेश के बुधवार को एक लाख मोदकों की झांकी सजी। प्रथम पूज्य को माणक-पन्ना जड़ित विशेष मुकुट धारण कराए गए। सुबह 5 बजे गणेशजी महाराज के मोदकों के भोग के साथ मंगला आरती हुई। इसके साथ ही गणेशजी महाराज के दर्शन आम लोगों के लिए शुरू हुए। -पेज 03 भी देखें

एसीबी की कार्रवाई

RTO इंस्पेक्टर के ठिकानों पर मिले करोड़ों की जमीनों के दस्तावेज

- सिरोही में तैनात है इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह चौहान
- एसीबी की जयपुर, सिरोही समेत छह ठिकानों पर रेड मारी
- जयपुर में शॉपिंग सेंटर होने और विदेशी यात्राओं के दस्तावेज मिले

बेधड़क । जयपुर

आय से अधिक संपत्ति के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार को सिरोही आरटीओ ऑफिस में तैनात एक इंस्पेक्टर के जयपुर व सिरोही स्थित 6 ठिकानों पर छापेमारी की है। ठिकानों पर सर्च के दौरान आरोपी इंस्पेक्टर सुरेन्द्र सिंह चौहान के जयपुर में लाखों रुपए की कीमत के जमीनी दस्तावेज और विदेश यात्राओं के दस्तावेज भी मिले हैं। वहीं, सिरोही स्थित घर में ताला लगाकर एसीबी के अधिकारी सर्च कर रहे हैं। एसीबी ने चौहान के खिलाफ मंगलवार को आय से अधिक संपत्ति का मुकदमा दर्ज किया था। एसीबी के डीजी रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी को कुछ दिनों पहले शिकायत मिली थी कि सिरोही में तैनात आरटीओ इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह चौहान ने भ्रष्टाचार कर आय से अधिक संपत्तियां अर्जित की है।

सत्यापन के बाद 6 टीमें हुई रवाना

शिकायत मिलने पर इसका सत्यापन करवाया गया। इसके बाद 6 टीमों को जयपुर और सिरोही के लिए रवाना किया गया। बुधवार सुबह से ही चौहान के जयपुर में 5 और सिरोही में 1 एक ठिकाने पर सर्च किया गया। प्रारंभिक जांच में एसीबी ने सुरेन्द्र सिंह चौहान की आय वैध आय से 50 फीसदी से ज्यादा निकली है।

विदेश यात्राओं के दस्तावेज मिले

जयपुर में बजाज नगर स्थित आवास, सीतापुरा में फैक्ट्री, अम्बाबाड़ी में कॉम्लेक्स में एसीबी ने सर्च किया। प्रारंभिक सर्च के दौरान एसीबी को डेढ़ लाख रुपए कैश मिला है। आरोपी सुरेंद्र सिंह चौहान के जयपुर स्थित आवास की तलाशी में 5 आवासीय /व्यावसायिक भूखंडों के दस्तावेज मिले हैं। इनमें मालपुरा टोंक में करीब 48 लाख रुपए कीमत की 8 बीघा कृषि भूमि, अम्बाबाड़ी शॉपिंग सेंटर में पांच मंजिला व्यावसायिक परिसर है। वहीं, करीब 6 लाख रुपए मूल्य के 30 किसान विकास पत्र, एफडीआर, लगभग 5.50 लाख रुपए कीमत के सोने चांदी के आभूषण और वाहन मिले हैं। इसके अलावा 1 बैंक लॉकर और 9 बैंक खाते तथा विदेश यात्राओं से संबंधित दस्तावेज भी मिले हैं।

बैकडेट में ले लिए पट्टे: सिरोही में हाउसिंग बोर्ड स्थित आवास पर एसीबी ने सर्च किया। सिरोही में ड्यूटी के दौरान इंस्पेक्टर सुरेन्द्र सिंह चौहान ने गलत तरीके से पैसा कमाया है और जयपुर समेत आस-पास के इलाकों में जमीन भी खरीदी है। प्रारंभिक जानकारी में ये भी सामने आया है कि सुरेंद्र सिंह चौहान ने एक सोसाइटी से बैक डेट में पट्टे भी लिए है। इसके बाद एसीबी ने सोसायटी संचालक से भी पूछताछ की है।

जरूरी खबर

राज्यपाल बागडे से ओम माथुर की शिष्टाचार भेंट

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से बुधवार को सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने राजभवन पहुंचकर मुलाकात की। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी। उन्होंने इस दौरान विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इससे पहले बागडे ने माथुर का शॉल ओढ़ाकर, स्मृति चिह्न प्रदान कर अभिनंदन किया।

केवल फोटो के लिए नहीं करे पौधरोपण

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक निंबाराम ने कहा कि हम वृक्षारोपण केवल फोटो के लिए नहीं करे। आज रोपा हुआ पौधा जीवित रहे, इतनी चिंता और संकल्प हमारा होना चाहिए। मातृशक्ति अपने घरों के आगे अपने नाम से न्यूनतम एक पौधा लगाकर उसको पालने और हर साल उसका जन्मदिन मनाने का आज संकल्प ले। निंबाराम बुधवार को अमृता देवी प्रकृति संवर्धन अभियान के अंतर्गत प्रताप नगर सेक्टर 7 स्थित प्रज्ञासागर उद्यान में मातृशक्ति द्वारा आयोजित सघन पौधरोपण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। निम्बाराम ने कहा कि देश हमे सब कुछ देता है, हम भी देश को देना सीखे। हम केवल लेते रहे और देने की दिशा मे कोई प्रयास नहीं हो तो यह कितने दिन चलेगा?

डिप्टी सीएम करेंगी महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी गुरुवार को निंबाहेड़ा विधानसभा क्षेत्र के एक दिवसीय प्रवास पर रहेगी। इस दौरान कनेरा में मेवाड़ रत्न वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की अश्वारूढ़ प्रतिमा का अनावरण करेगी। समारोह के अति विशिष्ट अतिथि सांसद सीपी जोशी, पूर्व मंत्री एवं विधायक श्रीचंद कृपलानी होंगे। अध्यक्षता महाराणा प्रताप स्मारक अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रवीरसिंह नमाना करेंगे। निंबाहेड़ा विधायक श्रीचंद कृपलानी ने बताया कि कनेरा तहसील में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की अश्वारूढ़ 12 फीट ऊंची एवं 3100 किलो वजन की प्रतिमा का अनावरण डिप्टी सीएम द्वारा किया जाएगा। इससे पूर्व शाहपुरा से कनेरा पहुंचने के दौरान डिप्टी सीएम का स्वागत किया जाएगा।

पूर्व सीएम ने एक बार फिर से भाजपा के सक्रिय सदस्य के रूप में ग्रहण की सदस्यता

BJP कार्यकर्ताओं के लिए पद नहीं, संगठन सर्वोपरि: वसुंधरा

बेधड़क | जयपुर

पूर्व मुख्यमंत्री और झालरापाटन से विधायक वसुंधरा राजे ने बुधवार को एक बार फिर से भाजपा के सक्रिय सदस्य के रूप में सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान भाजपा के सदस्यता अभियान के सहसंयोजक निर्मल कुमावत, मनोहरथाना विधायक गोविंद रानीपुरिया, कालूराम मेघवाल और पूर्व विधायक नरेंद्र नागर भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान राजे ने कहा कि उन्हें जयपुर में सदस्यता ग्रहण करने के लिए कहा गया था, लेकिन उन्होंने झालावाड़ में सदस्यता लेने का निर्णय किया। राजे ने कहा

कि 21 अक्टूबर 1951 में हमारी विचारधारा का जो जनसंघ रूपी कारवां शुरू हुआ, वह आज विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बन चुका है। यह हमारे कार्यकर्ताओं की बदौलत और उनके धैर्य की वजह से हुआ। वसुंधरा ने कहा कि हमारे कार्यकर्ताओं के लिए पद नहीं, संगठन सर्वोपरि है। भाजपा कार्यकर्ता खुद के लिए नहीं, संगठन के लिए जीते हैं। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा भी था जब देश में जनसंघ की सिर्फ 3 सीटें हुआ करती थीं,वहीं आज देश में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उसी विचारधारा भाजपा की लगातार तीसरी बार सरकार है। एक दिन था, जब किसी गांव में सरपंच तक बीजेपी का नहीं मिलता था। आज देश के 17 प्रदेशों में भाजपा या उसके सहयोगी दलों की सरकारें हैं।

पगड़ी दस्तूर कार्यक्रम में शामिल हुईं पूर्व सीएम

दिवंगत नेता पाटीदार को याद कर भावुक हुईं राजे, छलकी आंखें

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे बुधवार को दुर्गपुरा गांव पहुंचीं और दिवंगत वरिष्ठ भाजपा नेता श्रीकृष्ण पाटीदार के निधन के पश्चात परिवार में आयोजित पगड़ी दस्तूर कार्यक्रम में शामिल हुईं। यहां वसुंधरा राजे ने दिवंगत भाजपा नेता पाटीदार की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में संबोधन के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे काफी भावुक हो गईं और दिवंगत नेता पाटीदार को याद करते हुए उनकी आंखें छलक आईं।वसुंधरा राजे ने दिवंगत नेता के परिजनों

को ढाढ़स बंधाते हुए अपनी शोक संवेदनाएं प्रकट की। राजे ने कहा कि दिवंगत श्री कृष्ण पाटीदार ने उनके राजनीतिक तथा पारिवारिक जीवन में मार्गदर्शक की भूमिका निभाई। उन्होंने जब झालावाड़ जिले से अपना राजनीतिक जीवन शुरू किया था तो उस समय हर कदम पर श्रीकृष्ण पाटीदार उनके साथ खड़े रहे। झालावाड़ के विकास में भी उन्होंने मार्गदर्शक के रूप से खास भूमिका निभाई।

परिवर्तित बजट 2024-25 की घोषणाओं को लेकर समीक्षा

बजटीय घोषणाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन हो सुनिश्चित: सीएम

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को बजटीय घोषणाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी समर्पण-निष्ठा के साथ राज्य सरकार की घोषणाओं एवं लक्ष्यों को तय समय में पूरा करें। शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में परिवर्तित बजट वर्ष 2024-25 की घोषणाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि गुड गवर्नेंस का मॉडल स्थापित करके आमजन की सेवा करना राज्य सरकार का प्रमुख ध्येय है। बजटीय घोषणाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर कार्यवाही लंबित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि घोषणाओं के क्रियान्वयन में आने वाली व्यावहारिक बाधाओं को चिह्नित कर उनका त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने सरिस्का, रणथंभौर एवं चंबल घड़ियाल अभ्यारण्य, कोटा का ईको सेंसेटिव जोन के रूप में चिह्निकरण कर मास्टर प्लान बनाने, मेडिकल कॉलेजेज में हिंदी माध्यम से शिक्षा प्रदान करने, ऊर्जा उत्पादन के लिए निजी क्षेत्र को अधिक प्रोत्साहन देते हुए कैप्टिव पावर उत्पादन की सीमा को 200 प्रतिशत करने, स्टेट कैरिज वाहनों के लिए उप नगरीय श्रेणी के 40 नए मार्ग बनाने आदि बजट घोषणाओं की समीक्षा कर उचित दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने नगरीय विकास विभाग को जयपुर मैट्रो का विस्तार के लिए ज्वॉइंट वेंचर कंपनी पर शीघ्र कार्य करने के निर्देश दिए।

■ अधिकारी समर्पण एवं निष्ठा भाव के साथ करें कार्य

खुले बोरवेल पर हो सख्त कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग को प्रदेश में खुले बोरवेल रखने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खुले बोरवेल से जनहानि का खतरा रहता है। ऐसी कई घटनाएं प्रदेश के कई अंचलों में हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं की प्रभावी रोकथाम के लिए विभागीय दल नियमित निरीक्षण करें और खुले बोरवेल रखने वालों पर सख्त कार्रवाई करें। विभागीय शासन सचिव समित शर्मा ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि खुले बोरवेल पर निगरानी एवं कार्रवाई करने के लिए ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया जा रहा है।

ऑटोमेटेड सर्विस डिलिवरी सुविधा शीघ्र करें शुरू

सीएम शर्मा ने वित्त विभाग को स्मार्ट सिस्टम के अंतर्गत ऑटोमेटेड सर्विस डिलिवरी सुविधा शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस सिस्टम के माध्यम से आमजन को 25 सेवाएं 24 घंटों की सीमा में उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने सफाई कर्मचारियों के लिए आरजीएचएस के अंतर्गत लंग्स, किडनी एवं स्किन आदि से संबंधित बीमारियों से संबंधित निशुल्क विशेष पैकेज शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। सीएम शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में औद्योगिक निवेश का अनुकूल माहौल बनाने के लिए कार्य कर रही है। ऊर्जा भंडारण नीति-2024 एवं नई पर्यटन नीति के साथ-साथ बजट में भी अन्य कई महत्वपूर्ण नीतियों की घोषणा की गई है। 9 से 11 दिसंबर तक जयपुर में आयोजित होने जा रही 'राइजिंग राजस्थान' समिट के परिप्रेक्ष्य में इन नीतियों को शीघ्र ही अंतिम रूप प्रदान किया जाए। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल एवं प्रमुख शासन सचिव आलोक गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

CM से मिला RAS प्रतिनिधिमंडल

जयपुर। नवनियुक्त आरएएस सेवा परिषद के अध्यक्ष महावीर खराड़ी के नेतृत्व में आरएएस सेवा के अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पुष्प गुच्छ भेंटकर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त अध्यक्ष को शुभकामनाएं दी और समस्त आरएएस अधिकारियों को आश्वस्त किया कि उनकी सभी मांगों और सेवा संबंधित समस्याओं पर सहानुभूति पूर्वक विचार कर उनका शीघ्र समाधान किया जाएगा।

पायलट पर जोगाराम का पलटवार, बोले...

RPSC संवैधानिक बॉडी पुनर्गठन संभव नहीं

बेधड़क | जयपुर

विधानसभा चुनाव में पेपर लीक बड़ा मुद्दा रहा। बीजेपी ने आरपीएससी की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए तत्कालीन मौजूदा सरकार को जमकर निशाने पर लिया, लेकिन अब उसी आरपीएसी के पुनर्गठन को लेकर कांग्रेस ने मौजूदा सरकार को निशाने पर ले रही है।

कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सचिन पायलट ने आरपीएससी पुनर्गठन की मांग की तो उस पर संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने पलटवार किया। पटेल ने कहा कि आरपीएससी का पुनर्गठन करना संभव नहीं, इसको लेकर नियम प्रक्रिया है। शायद पायलट को इसकी जानकारी नहीं है। इसके साथ ही पटेल ने एसआई भर्ती परीक्षा रद्द करने पर कहा कि इस पर न्यायपूर्ण निर्णय होगा।

संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने सचिन पायलट के आरपीएससी का नए सदस्य पुनर्गठन करने के बयान पर कहा कि यह एक संवैधानिक बॉडी होती है। इसका पुनर्गठन किया जाना संभव नहीं है।

कांग्रेस नेता सचिन पायलट स्वयं बताएं कि इसका पुनर्गठन कैसे किया जा सकता है ? और किन नियमों के तहत हो सकता है? साथ उन्होंने एसआई भर्ती परीक्षा को निरस्त करने के मामले को लेकर कहा कि परीक्षा में कई बच्चे मेहनत और ईमानदारी से भी नौकरी पर लगते हैं। ऐसे में परीक्षा को निरस्त करना संभव नहीं है।

डोटासरा को बड़बोलेपन की आदत

संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि पायलट को RPSC गठन के नियमों की जानकारी कर लेनी चाहिए। पुनर्गठन संभव नहीं है, लेकिन हमारी सरकार बनने के साथ मुख्यमंत्री ने कहा था कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले को बख्शा नहीं जाएगा। बड़ी मछलियां भी जेल की सलाखों के पीछे होंगी। अब सबके सामने है कि किस तरह से बड़े बड़े आरोपी कहां है? कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के एक बयान पर जोगाराम पटेल ने कहा कि डोटासरा को बड़बोलेपन की आदत है। वे मर्यादाहीन बयान देते रहते हैं। उनको सोच-समझ कर बोलना चाहिए कि मैं क्या बोल रहा हूं। पार्टी के एक जिम्मेदार पद पर बैठा व्यक्ति इस तरह की बयानबाजी करता है तो हम उनकी निंदा भी करते हैं और खंडन भी।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री की स्विट्जरलैंड यात्रा

स्विस कंपनियों ने रेल, फार्मा क्षेत्र में दिखाई रुचि

बेधड़क | जयपुर

'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत राजस्थान सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने हाल ही में स्विट्जरलैंड का दौरा कर स्विस कंपनियों को राजस्थान में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया।

तीन दिवसीय यात्रा में राठौड़ की कई स्विस कंपनियों के साथ उपयोगी चर्चा हुई, जिनमें कुछ इलेक्ट्रोमोबिलिटी और बायोफार्मा कंपनियां भी शामिल थीं। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने बताया कि कई स्विस कंपनियां राजस्थान को निवेश के दृष्टिकोण से सबसे अच्छे राज्यों में से एक मानती हैं।

राजस्थान कम-से-कम लागत पर व्यापार को सुगम बनाना चाहता है और भूमि तथा अन्य बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने के लिए कृतसंकल्प है, ताकि व्यापार करने की सुगमता और बढ़े। राजस्थान में निवेश करने का यह बिलकुल सही समय है। सरकार के पास कोई भी निवेश संबंधित निर्णय या फाइल लंबित नहीं रहेगी और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उद्योग जगत अपने कारोबार को यथासंभव तेज गति से विस्तारित कर सकें। राठौड़ की यात्रा इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि भारत ने इस साल मार्च में यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (ईएफटीए) के देशों, जिसका स्विट्जरलैंड एक प्रमुख स्तंभ है, के साथ ट्रेड एंड इकनोमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (टीईपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। अपनी यात्रा के दौरान कर्नल राठौड़ ने रेल विद्युतीकरण और मैन्युफैक्चरिंग, बायोफार्मा, कृषि प्रसंस्करण, माल परिवहन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सहित कई अन्य कंपनियों के अधिकारियों से मुलाकात की।

चुनाव नहीं लड़ना चाहता: राठौड़

बेधड़क | जयपुर

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ ने सीकर में कहा कि मैं चुनाव में पराजित हो चुका हूं।

मुझे आगे कोई चुनाव नहीं लड़ना, पार्टी के आदेशों की पालन करूंगा। उन्होंने यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा और लालसोट विधायक रामबिलास मीणा के ट्रांसफर विवाद पर कहा कि पार्टी में किसी भी तरह का मनभेद और मतभेद नहीं है।

तबादले होना या नहीं होना सामान्य प्रक्रिया है। चूंकि अब पाबंदी लगी हुई है और निश्चित अंतराल के बाद सारी बातें हो जाएगी।

केसरिया पर गरमाई सियासत

कांग्रेस को त्याग और तेज का प्रतीक भगवा रंग से परहेज क्यों: मदन राठौड़

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश की भजनलाल सरकार ने 9वीं की छात्राओं को दी जाने वाली साइकिल के रंग में बदलाव करने का फैसला किया है, लेकिन इस फैसले पर कांग्रेस ने आपत्ति दर्ज करा दी है।

कांग्रेस का आरोप है कि बीजेपी जबरन करोड़ों रुपए खर्च कर साइकिलों का रंग बदल कर शिक्षा में भगवाकरण करना चाह रही है। कांग्रेस की ओर से उठाए गए सवालों पर भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस को त्याग और तेज का प्रतीक भगवा रंग से परहेज क्यों? भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार में काली साइकिल दी जाती थी, अब

हमारी सरकार अगर उनका कलर केसरिया करके दे रही है तो उसे कांग्रेस को इतनी आपत्ति क्यों हैं। पूर्व मुख्यमंत्री कहते हैं कि करोड़ों रुपए खर्च हो रहे हैं। उन्होंने भी यूं सरकार में आते ही रंग बदला था, फिर उनसे तो कोई सवाल नहीं पूछता। मेरा सवाल तो कांग्रेस से है कि उन्हें भगवा रंग से इतना परहेज क्यों है? भगवा रंग त्याग और तेज का प्रतीक है।

जब यह बार-बार भवन का नाम बदलकर राजीव गांधी के नाम पर कर देते हैं, तब इनसे सवाल क्यों नहीं किया जाता हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का यह दो तरीके का व्यवहार ठीक नहीं है। उनकी तो ये फितरत बन गई, बस बयानबाजी करकर सुर्खियों में बने रहे। राठौड़ ने कहा कि केसरिया तो एक प्रतीक है, वो रात को भी सपने में भगवा-भगवा कहते रह जाएंगे और हम पनपते जाएंगे।

मंत्रियों-MLA में कोई मतभेद नहीं

लालसोट से भाजपा विधायक रामबिलास मीणा और यूडीएएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा के बीच हुए आरोप-प्रत्यारोप पर अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि हमारे यहां सरकार अच्छे से काम कर रही है। दोनों के बीच कोई झगड़ा नहीं है। विधायक रामबिलास मीणा मंत्री झाबर सिंह का बहुत आदर करते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष तो कभी नहीं कहेगा कि सरकार अच्छा काम कर रही है, लेकिन हमारे विधायक, मंत्री और सरकार अच्छा काम कर रही है। किसी के बीच में कोई न नाराजगी है और ना ही कोई विवाद है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश की सरकार दिन-रात जनता की सेवा के लिए काम कर रही है और इसमें सभी जनप्रतिनिधि सरकार का साथ दे रहे हैं।

भाजपा राजस्थान में बनाएगी सवा करोड़ सदस्य: अरुण चतुर्वेदी

जयपुर। भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि राजस्थान में राजनीतिक वक्तव्य देने की हमारी परंपरा रही है, लेकिन अब कांग्रेस ने राजनीतिक वक्तव्यों पर हमला करने की प्रवृत्ति शुरू की है, जो निंदनीय है। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन में देश में 10 करोड़ और राजस्थान में सवा करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इस अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 सितंबर और प्रदेश में मुख्यमंत्री,

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष और दोनों उप मुख्यमंत्रियों को 3 सितंबर को सदस्य बनाकर की गई है। अलवर सहित प्रदेश के सभी जिलों में यह अभियान बुधवार को लॉन्च किया गया है। अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि पार्टी का सदस्यता अभियान चरणबद्ध तरीके से चलेगा। पार्टी की तीन तरीके से सदस्यता ली जा सकेगी। इनमें मिस कॉल, क्यूआर कोड, भाजपा की वेबसाइट व नमो एप के माध्यम से सदस्य बन सकेंगे। संगठन पर्व में पहले साधारण सदस्यता, फिर सक्रिय सदस्यता और बाद में संगठन के चुनाव कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि देश में भाजपा ही एक अकेली पार्टी है, जिसमें सदस्यता अभियान और संगठन के चुनाव कराए जाते हैं। वैसे देश में करीब 1500 छोटे बड़े राजनीतिक दल हैं, लेकिन ज्यादातर केवल सदस्यता और संगठन चुनाव की बात ही करते हैं।

फोटो: राजेश कुमावत

गजानन ने पहना पन्ना का मुकुट

251-251 किलोग्राम के दो विशाल मोदक रहे आकर्षण

लगाया सवा लाख मोदकों का भोग

मोती डूंगरी गणेश मंदिर में नहीं लगा बाहर का भोग, भक्तों को निशुल्क प्रसाद वितरित

भगवान गणेशजी के जन्मोत्सव में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों के तहत बुधवार को मोती डूंगरी गणेश मंदिर में सवालाख मोदकों की झांकी सजाई गई। इस दौरान गजानन को माणक-पन्ना जड़ित मुकुट धार करवाकर फूलों के झरोखे में विराजमान करवाया गया। बाद में शाम को भक्तजनों को प्रसाद के रूप में मोदक वितरित किए गए। मोती डूंगरी गणेशजी मंदिर में बुधवार सुबह 5 बजे गणेशजी महाराज के मोदकों के भोग के साथ मंगला आरती हुई। इसके साथ ही गणेशजी महाराज के दर्शन आम लोगों के लिए शुरू हुए। गणेशजी को माणक व पन्ना जड़ित विशेष मुकुट धारण करवाया गया। इस दौरान गणेशजी महाराज को बाहर का प्रसाद नहीं चढ़ा। मोती डूंगरी गणेश मंदिर के महंत कैलाश शर्मा ने बताया कि भगवान गणेश जी के झांकी में मुख्य आकर्षण 251-251 किलोग्राम के दो विशाल मोदक चढ़ाए गए, उनके अलावा 51 किलो के पांच मोदक, 21 किलो के 21 मोदक, सवा किलोग्राम के 1100 मोदक, साथ ही सवा लाख लड्डुओं की झांकी सजाई गई। सवा लाख लड्डुओं की प्रसादी बनाने में करीबन ढाई सौ किलोग्राम शुद्ध घी 3000 किलो बेसन 9000 किलो शक्कर के साथ 50 हलवाइयों ने दिन-रात काम कर प्रसादी तैयार की।

जरूरी खबर

50 जगहों से हटाए अस्थाई अतिक्रमण

जयपुर। नगर निगम हेरिटेज की सतर्कता शाखा ने दो दिन विशेष अभियान चलाकर 50 स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण को हटाया। कार्रवाई के संबंध में उपायुक्त सतर्कता पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि निगम आयुक्त अभिषेक सुराणा के निर्देश पर छोटी चौपड़, गणगौरी बाजार, ब्रह्मपुरी, गढ़ गणेश मंदिर, स्वेज फार्म, सोडाला, नंदपुरी, हवा सड़क, एमडी रोड, आदर्श नगर, शांति पथ, सेक्टर सात जवाहर नगर इलाके में कार्रवाई की। इस दौरान राजस्व अधिकारी बैद्यनाथ कौशिक और सहायक राजस्व अधिकारी जगदीश सरधना मौजूद रहे।

टॉक शो में महिला सशक्तीकरण पर होगी चर्चा

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर की ओर से महिलाओं और बालिकाओं को मानसिक, शारीरिक रूप से मजबूत करने, उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के लिये नवाचार के तहत गुरुवार को टॉक शो आयोजित किया जाएगा। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने बताया कि इस टॉक शो में मनोवैज्ञानिक, आत्मरक्षा प्रशिक्षक, मोटिवेशन स्पीकर, कानूनविज्ञ द्वारा महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ मजबूत नीतियों की वकालत एवं महिलाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण के संबंध में चर्चा की जाएगी। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास समिति मीनाक्षी शर्मा, आत्मरक्षा प्रशिक्षक ऋचा गौर, मनोवैज्ञानिक वितिक्षा शर्मा, एडवोकेट स्वाति अग्रवाल, इतिक्षा शर्मा, प्रेरक वक्ता पिंकी माहेश्वरी, अंकित खण्डेलवाल मौजूद रहेंगे।

परिवाद की जांच करने की एवज में मांगी थी राशि

मुहाना पुलिस थाने का कांस्टेबल 5000 की घूस लेते गिरफ्तार

बेधड़क | जयपुर

परिवाद की जांच करने की एवज में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार को मुहाना थाने में तैनात कांस्टेबल को पांच हजार रुपए की घूस लेते गिरफ्तार कर लिया। एसीबी ने कांस्टेबल वीपी सिंह से घूस की राशि बरामद कर ली और मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी। एसीबी ने आरोपी वीपी सिंह को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे एक दिन के रिमांड पर भेज दिया।

आरोपी वीपी सिंह पैसों के लिए परिवादी पर दबाव बना रहा था। तब पीड़ित ने पिछले सप्ताह एसीबी में शिकायत की थी। सत्यापन के बाद एसीबी ने आरोपी कांस्टेबल को गिरफ्तार किया। कांस्टेबल वीपी सिंह ने केस में सही से जांच करने की एवज में घूस की डिमांड कर रहा था। पीड़ित ने शिकायत पर जांच करने और उसके बाद पैसे देने को कहा। इस पर कॉन्स्टेबल भड़क गया और पीड़ित के साथ गलत भाषा में बात करने लगा। पीड़ित ने इस संबंध में मुहाना थाना एसएचओ मदन कड़वासरा को भी कांस्टेबल वीपी सिंह की हरकत के बारे में बताया था, लेकिन एसएचओ ने मामले में टालमटोल कर दिया। ऐसे में एसएचओ की कार्यशैली पर भी सवाल उठने लगे है।

हेरिटेज निगम की स्वास्थ्य शाखा ने की कार्रवाई

गोदाम पर छापा... 430 किलो प्लास्टिक जब्त, 39 हजार रु. केरिंग चार्ज वसूला

बेधड़क | जयपुर

नगर निगम हेरिटेज की स्वास्थ्य शाखा ने सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक गोदाम पर छापा मारकर 430 किलो प्लास्टिक जब्त की, साथ ही 39400 रुपए केरिंग चार्ज वसूल किया। कार्रवाई रामगंज में घोड़ा निकास रोड पर की गई। इस संबंध में हेरिटेज निगम के उपायुक्त स्वास्थ्य सोहन सिंह नरूका ने बताया कि हेरिटेज निगम आयुक्त अभिषेक सुराणा के निर्देश पर सिंगल यूज प्लास्टिक और गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ स्वास्थ्य शाखा अभियान चला रही है। स्वास्थ्य शाखा के चालान प्रकोष्ठ टीम को सूचना मिली कि रामगंज बाजार में घोड़ा निकास रोड पर एक गोदाम में भारी मात्रा प्लास्टिक थैली रखी हुई है। इस पर निगमकर्मियों ने गोदाम के नजर रखना शुरू कर दी। दो दिन तक गोदाम के खुलने का इंतजार किया।

ऐसे में बुधवार को निगम दस्ते को गोदाम के खुलने की सूचना मिलने पर दबिश दी गई, जिस पर भारी मात्रा में प्लास्टिक थैलियों के कट्टे मिले। निगमकर्मियों ने 430 किलो प्लास्टिक को जब्त कर 20 हजार का चालान किया। इस दौरान व्यापारी को सिंगल यूज प्लास्टिक को नहीं रखने और पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। वहीं, स्वास्थ्य शाखा ने अलग अलग क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए गंदगी और कचरा फैलाने पर चालान किए। निगम के मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक टीम ने 13200 रुपए और चालान प्रकोष्ठ ने 6200 का चालान कर केरिंग चार्ज वसूल किया।

जयपुर डिस्कॉम को छोटी सी गलती पड़ रही भारी

पहले खाते में डाली डबल सैलरी, अब वापस मांग रहे

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड की एक छोटी सी गलती जहां उसके लिए जी का जंजाल बन गई वहीं जयपुर सर्किल के कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले हो गई। हुआ यूं कि निगम की ओर से जयपुर सर्किल के कर्मचारियों के खाते में डबल सैलरी डाल दी गई, हालांकि जल्द ही इसका पता चल गया और डिस्कॉम के वॉट्सऐप ग्रुप में कर्मचारियों को एडवांस सैलरी लौटाने के लिए कहा गया है।

मैसेज में कर्मचारियों से कहा गया कि अगस्त 2024 माह का वेतन गलती के कारण बैंक खाते में दो बार जमा हो गया है। कृपया इसे खाते से नहीं निकालें। जैसा कि एसबीआई बैंक द्वारा सुधार किया जा रहा है। उधर, कुछ कर्मचारियों ने भी ग्रुप में मैसेज कर कहा- इस सैलरी को अगले महीने की सैलरी में एडजस्ट (समायोजित) कर लें।

ढाई से 3 करोड़ की सैलरी जाती है हर महीने

अकाउंट ऑफिसर टीसीसी फर्स्ट जयपुर सिटी सुनील शर्मा ने बताया कि कर्मचारियों के अकाउंट में डबल सैलरी की जानकारी मिली है। हमारे यहां 350 कर्मचारी हैं। इन्हें लगभग हर महीने ढाई से तीन करोड़ रुपए की सैलरी जाती है। यह गड़बड़ी बैंक के सॉफ्टवेयर से हुई है। विभाग की ओर से बैंक के माध्यम से पैसा वापस लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार से सैलरी डालने की कवायद हो रही थी, लेकिन सैलरी क्रेडिट नहीं हो पा रही थी। सिस्टम में कोई समस्या आने के कारण ऐसा हो रहा था। जब कर्मचारियों की सैलरी डाली गई तो वो डबल क्रेडिट हो गई। इस पर हमने उच्चाधिकारियों को अवगत करवा दिया है।

अगले महीने की सैलरी में एडजस्ट कर लें

अधिकारियों ने एडवांस सैलरी वाले कर्मचारियों को ग्रुप में मैसेज कर डबल सैलरी लौटाने में सहयोग करने को कहा है। हालांकि, कुछ कर्मचारियों ने भी मैसेज कर कहा कि अगले महीने चाहे सैलरी मत देना इसी से काम चला लिया जाएगा। उधर, विभाग की ओर से अकाउंट में गई एडवांस सैलरी वापस लाने के हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। बता दें कि बिजली विभाग के कर्मचारियों की सैलरी महीने की अंतिम तारीख तक आ जाती है। इस बार शनिवार-रविवार होने के चलते सैलरी 4 दिन लेट हो गई थी। इसके बाद एसबीआई को मेल कर सैलरी वापस लौटाने के लिए कहा गया है।

बोलेरो पर पेड़ गिरा, प्रिंसिपल की मौत

जयपुर। चलती बोलेरो पर नीम का पेड़ गिर गया। हादसे में कार में सवार स्कूल प्रिंसिपल की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर भीड़ जमा हो गई। इसके बाद क्रेन की मदद से पेड़ हटाकर बॉडी को बाहर निकाला गया। हादसा जयपुर ग्रामीण के गांव गठवाड़ी में सुबह साढ़े 7 बजे हुआ। रायसर थानाधिकारी महेंद्र सिंह ने बताया कि गठवाड़ी के रहने वाले प्रिंसिपल प्रकाश चंद मीणा (58) स्कूल जा रहे थे। वे गांव के ही सरकारी स्कूल में पोस्टेड थे। इस दौरान गांव के बाजार से निकलने के दौरान उनकी गाड़ी पर एक पुराना नीम का पेड़ गिर गया।

जरूरी खबर

बजरी से भरे डंपर का टायर फटा, जनहानि नहीं

चाकसू। नेशनल हाईवे 52 कोटखावदा पुलिया पर बजरी से भरे डंपर का टायर फट गया। इससे उसका संतुलन बिगड़ गया और वह पुलिया की रेलिंग पर जाकर लटक गया। गनीमत रही कि डंपर से जनहानि नहीं हुई। हालांकि चालक के हल्की चोट आई है। हाईवे पर डंपर से कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। बाद में पुलिस ने क्रेन की सहायता से डंपर को एक तरफ करवा कर साइड में करवाया। इससे बाधित यातायात वापस सुचारू हो सका।

मारपीट और लूटपाट का मामला दर्ज

चाकसू। शिवदासपुरा थाना क्षेत्र में एक जने के साथ मारपीट व लूटपाट का मामला सामने आया है। पीड़ित विष्णु प्रजापत ने बताया कि नकाबपोश कुछ युवकों ने उसके साथ मारपीट कर लूटपाट कर ली। बदमाश 50 हजार रुपए, 2 एटीएम कार्ड और मोबाइल लेकर फरार हो गए। पीड़ित की रिपोर्ट पर शिवदासपुरा पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि क्षेत्र में आए दिन बढ़ रही लूटपाट एवं चोरी की घटनाओं से लोगों में रोष व्याप्त है। निमोडिया गांव में बढ़ती चोरियों के मामले में ग्रामीणों ने मंगलवार को चाकसू थाने पर प्रदर्शन किया था।

ढाई करोड़ की हेरोइन के साथ 3 तस्कर गिरफ्तार

श्रीगंगानगर। सूरतगढ़ पुलिस ने हेराइन तस्करी के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन तस्करों के पास से ढाई करोड़ रुपए की हेरोइन बरामद की गई है। गिरफ्तार तीनों तस्करों में से दो पंजाब के रहने वाले हैं। एसपी गौरव यादव ने बताया कि सूरतगढ़ सिटी थाना पुलिस ने डीएसटी के सहयोग से इन तीनों तस्करों को पकड़ा है। उन्होंने बताया कि पुलिस को सूरतगढ़ में हेरोइन तस्करी के इनपुट मिले थे। ऐसे में पुलिस ने नाकाबंदी की और शहर के टैक्सी स्टैंड के पास से 488 ग्राम हेरोइन के साथ तीन नशा तस्करों को गिरफ्तार किया। तस्करी में इस्तेमाल की जा रही बाइक भी जब्त कर ली है। जांच में पता चला है कि तस्कर हेरोइन को पंजाब से आए थे और इसे स्थानीय नशेड़ियों को बेचने की फिराक में थे।

भादवा सुदी दूज पर ब्रह्ममुहूर्त में किया जाएगा पंचामृत से अभिषेक

रामदेव मेले का आगाज आज से, लाखों श्रद्धालु करेंगे दर्शन

बेधड़क | पोकरण

सामाजिक समरसता के प्रणेता और लोकदेवता बाबा रामदेव के लक्खी मेले का आगाज भादवा सुदी दूज यानि गुरुवार से होगा। मेले में चालीस से पचास लाख श्रद्धालु बाबा रामदेव की समाधि के दर्शन करेंगे।

मेले के शुभारंभ पर समाधि स्थल पर ब्रह्म मुहूर्त में बाबा रामदेव जी के वंशजों, प्रशासन के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की ओर से पंचामृत से अभिषेक किया जाएगा और मंगला आरती की जाएगी। इसके बाद बाबा रामदेव जी की समाधि पर भोग

लगाया जाएगा। इसके साथ ही विधिवत रूप से मेले का आगाज हो जाएगा। इसके बाद सुबह 8 बजे रामदेवजी की समाधि पर स्वर्ण मुकुट स्थापित किया जाएगा। मेले के शुभारंभ पर दो लाख यात्रियों के रामदेवरा पहुंचने की उम्मीद है।

अब तक 15 लाख से ज्यादा श्रद्धालु आए

मेला गुरुवार से शुरू होगा, लेकिन अब तक 15 लाख से ज्यादा श्रद्धालु बाबा की समाधि के दर्शन कर चुके है। इन दिनों रामदेवरा में प्रतिदिन करीब 1 लाख से ज्यादा यात्री दर्शन कर रहे हैं। भादवा मेले को लेकर प्रशासनिक व्यवस्थाएं 20 अगस्त से ही शुरू हो चुकी है। प्रशासनिक स्तर पर मेला अवधि एक महीने की होती है, लेकिन विविधत तौर पर बाबा का मेला भादवा शुक्ल पक्ष की दूज 5 सितंबर से भादवा शुक्ल पक्ष की एकादशी 14 सितम्बर तक आयोजित होगा।

भक्तों के लिए सजा रामदेवरा

मेले के दौरान यहां आने वाले लाखों भक्तों के लिए रामदेवरा बाजार भी सज चुका है। रामदेवरा बाजार में रात्रि में अलग ही नजारा देखने को मिलता है। यहां पर हजारों दुकानें रोशनी में जगमग हो जाती है। रामदेवरा में पोकरण और नाचना रोड पर यहां आने वाले यात्रियों के मनोरंजन के लिए झूले और अन्य आइटम भी लग गए। रामदेवरा में मेले के दौरान करीब 3 हजार दुकानें सजती है।

गूंज रहे बाबा के जयकारे

बाबा रामदेव समाधि समिति के सदस्य चतुर सिंह तंवर ने बताया कि भादवा मेले में भाग लेने के लिए हजारों श्रद्धालु हर रोज रामदेवरा पहुंच रहे हैं। श्रद्धालु बाबा रामदेव के जयकारे लगाते हुए हाथों में ध्वजा लिए हुए डीजे की धुनों पर नाचते गाते अपने आराध्यदेव के दरबार में पहुंच रहे हैं और शीश नवा रहे हैं। यहां आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बाबा रामदेव समाधि समिति ने पुख्ता प्रबंध किए हैं। सुबह तीन बजे से रात्रि एक बजे तक लगातार 22 घंटे तक समाधि के दर्शन हो रहे हैं। इसलिए समाधि परिसर में अतिरिक्त पुजारी व सुरक्षाकर्मी लगाए गए हैं।

माही बजाज सागर बांध के खोले आठ गेट

मानसून मेहरबान... बांध हुए ओवरफ्लो, खोलने पड़े गेट

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में सितंबर माह तेज बारिश का दौर जारी है। प्रदेश के सभी इलाकों में हो रही अच्छी बरसात के बाद अधिकतर डैम और नदियों में पानी की आवक बनी हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने 7 सितंबर तक प्रदेश में मानसून के एक्टिव रहने की संभावना जताई है।

उधर, बांसवाड़ा जिले में बीते 36 घंटे से जारी बारिश के दौर के बीच माही नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। माही नदी के बढ़े जलस्तर को देखते हुए बुधवार सुबह बांध के 8 गेट खोल दिए गए। माही डैम के 16 में से 8 गेटों को एक-एक मीटर तक खोलकर 45 हजार 655 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है। अगर आगे बांध में पानी की आवक बढ़ी तो डैम के अन्य गेटों को भी खोलना पड़ सकता है। फिलहाल माही की सहायक नदी एरवा भी पूरे परवान पर बह रही है। बांसवाड़ा का माही बजाज सागर बांध प्रदेश के सबसे बड़े (लंबाई में) बांध के रूप में जाना जाता है। पूर्वी राजस्थान में जारी बारिश के बीच करौली के पांचना बांध से पानी की निकासी बरकरार है। बांध का 1 गेट खोलकर 437 क्यूसेक जल निकासी की जा रही है। वर्तमान में बांध का जल स्तर 258 मीटर है। यहां 8 अगस्त से लगातार बांध के गेट खुले हैं।

मारवाड़ और मेवाड़ में भी बांधों में पानी की आवक होने लगी है। पाली में येलो अलर्ट के बीच 3 घंटे की बरसात से 2 इंच पानी बरसा। जिले के सबसे बड़े जवाई बांध का गेज 36 फीट को पार कर गया। उदयपुर में भी जोरदार बरसात जारी है। बुधवार को सीसारमा नदी से पानी की आवक तेज होने पर दोपहर 12:30 बजे स्वरूपसागर के 4 गेट एक-एक मीटर खोले गए। तेज बारिश के बाद पिछोला झील अपने पूर्ण भराव 11 फीट पर है। शहर की बूझड़ा नदी में भी बहाव तेज रहा है। उधर, आयड़ नदी इस सीजन में पहली बार वेग से बहने लगी। इसी तरह डूंगरपुर के सागवाड़ा में आंतरी के पास मारगिया डैम भी छलक उठा। बूंदी जिले के हिंडोली क्षेत्र के गुढ़ा बांध में लगातार पानी की आवक हो रही है। इसके चलते बांध के चार गेट चार-चार फीट खोले गए। बूंदी जिले के नैनवां में दो घंटे में ही पौने चार इंच बारिश हुई। बारिश से दुगारी के कनकसागर बांध पर डेढ़ फीट की चादर चलने से चादर का पानी गांव में घुस जाने से बाढ़ के हालात बने हुए है।

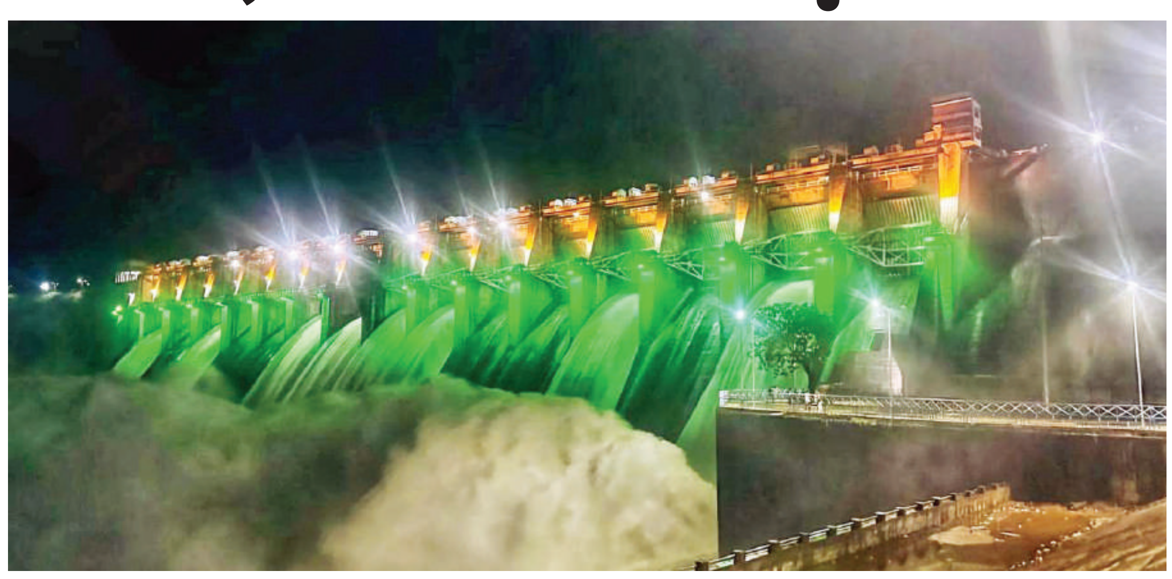

पानी की आवक, सोम कमला आंबा के खोले छह गेट

डूंगरपुर। जिले के सबसे बड़े सोम कमला आंबा बांध में पिछले कुछ दिनों से लगातार पानी की आवक हो रही है। डैम में पानी की आवक बढ़ने छह गेट खोल दिए गए हैं। इन सभी गेटों को आधा-आधा इंच खोला गया है। छह गेटों से 47 हजार 820 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है। डैम में सोम कागदर, देवसोमनाथ और गोमती नदी से पानी की आवक हो रही है। वहीं, जिले के मारगिया, अमरपुरा, वात्रक, आकरसोल का नाका, भादर सहित 10 डैम पर पानी की चादर चल रही है।

बेणेश्वर धाम बना टापू

सोमकमला बांध के साथ ही बांसवाड़ा के माही डैम के गेट खुले होने की वजह से वागड़ प्रयाग बेणेश्वर धाम एक बार फिर टापू बन गया है। धाम को जोड़ने वाले साबला, वालाई और बांसवाड़ा के तीनों पुलिया पर 3 से 5 फीट तक पानी बह रहा है, जिस वजह से धाम टापू बना हुआ है। पुलिस और प्रशासन की ओर से धाम पर आने-जाने वाले लोगों को अलर्ट किया जा रहा है।

गंभीरी बांध के खोले चार गेट

चित्तौड़गढ़। जिले मे पिछले 24 घंटे से बरसात का दौर जारी है। जिले के बड़े जलाशयों में शामिल गंभीरी बांध लबालब होकर छलक गया है। राजस्थान और मध्यप्रदेश में जारी तेज बरसात के कारण पानी की आवक लगातार जारी है। इसके चलते गंभीरी बांध के चार गेट खोल दिए हैं। साथ ही गंभीरी नदी के किनारों पर अलर्ट जारी करते हुए दूर रहने के निर्देश दिए हैं। गंभीरी बांध पर मध्यप्रदेश के जावदा के पास स्थित मोरवन बांध व इससे जुड़ी नदियों से बढ़ती पानी की आवक के चलते बुधवार को बांध के चार गेट खोल दिए गए। सहायक अभियंता राधेश्याम जाट ने बताया कि चार गेट 1 मीटर तक खोलने के बाद करीब डेढ़ फीट की चादर चल रही है। पानी की बढ़ती आवक को देखते हुए और भी गेट खोले जा सकते हैं।

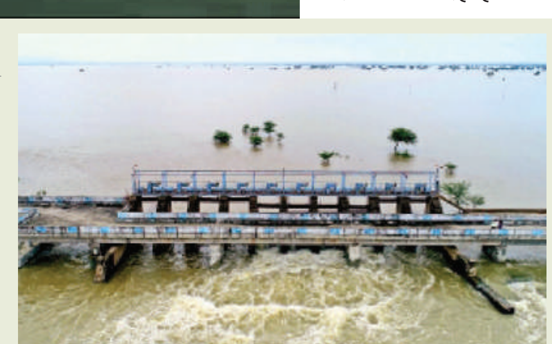

करंट की चपेट में आने से मां-बेटा और बहू की मौत

बेधड़क | नागौर

जिले के कुचेरा क्षेत्र के इग्यार गांव में करंट की चपेट में आने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर कुचेरा थाने के एसएचओ मुकेश चौधरी और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और तीनों मृतकों के शव कुचेरा सीएचसी की मोर्चरी में रखवाए।

घटना से आक्रोशित ग्रामीण मोर्चरी के बाहर एकत्रित हो गए। कुचेरा एसएचओ मुकेश चौधरी के अनुसार इग्यार निवासी 32 वर्षीय हरेंद्र पुत्र हनुमान राम मेघवाल, उसकी पत्नी सीमा और 50 वर्षीय मां कंवराई बाइक पर सवार होकर खेत जा रहे थे।

खेत पहुंचने से पहले ही तीनों बिजली के तार की चपेट में आ गए और करंट लगने से तीनों की मौत हो गई। एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत से ग्रामीण व परिजन गुस्सा हो गए। ग्रामीणों ने बिजली की लाइन को अवैध बताया और अस्पताल की मोर्चरी के बाहर एकत्र हो गए।

मंत्री और सांसद ने जताई संवेदना

हादसे पर नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने शोक जताया है। सांसद बेनीवाल ने एक्स पर लिखा-संसदीय क्षेत्र के ईग्यार ग्राम में करंट से हरेंद्र मेघवाल, सीमा मेघवाल व कंवरी मेघवाल का आकस्मिक निधन हो जाने के समाचार अत्यंत दुखद है। ईश्वर दिवंगत पुण्यात्मओं को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें, मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ है। राज्य सरकार मृतक आश्रितों को अविलंब आर्थिक सहायता प्रदान करें। मैंने डिस्कॉम के अधिकारियों को हादसे की जांच करने के लिए भी निर्देशित किया।

राज्यमंत्री डॉ. मंजू बाघमार ने जताया शोक

वहीं हादसे पर महिला और बाल विकास राज्यमंत्री डॉ. मंजू बाघमार ने संवेदना जताई है। उन्होंने कहा कि मेरे विधानसभा क्षेत्र जायल के ग्राम ईग्यार में बिजली के करंट से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत का दुखद समाचार मिला है। मैं संकट की घड़ी में पीड़ित परिवार को संबल की ईश्वर से कामना करती हूं। दुखद घटना को लेकर जिम्मेदार अधिकारियों को आवश्यक निर्देशित कर दिया है। पीड़ित परिवार को हर संभव मदद दिलाने का पूरा प्रयास रहेगा।

पार्वती नदी में डूबे युवकों की मौत, दोनों के शव मिले

बेधड़क | धौलपुर

जिले के मनियां इलाके में मंगलवार को सखवारा की रपट पर पार्वती नदी में नहाने के दौरान डूबे दोनों युवकों की मौत हो गई। पुलिस एवं आपदा प्रबंधन विभाग की टीम द्वारा चलाए गए अभियान के बाद में दोनों युवकों के शव मिल गए।

सखवारा चौकी इंचार्ज ने बताया कि मंगलवार दोपहर कौलारी गांव के दो युवक 22 वर्षीय योगेश पुत्र शिवसिंह बघेल तथा 23 वर्षीय दिलीप पुत्र गजाधर बघेल सखवारा रोड पर स्थित पार्वती नदी की रपट पर नहाने गए थे। रपट के पास में नहाने के दौरान दोनों युवक गहरे पानी में डूब गए। कौलारी गांव के दो युवकों के पार्वती नदी में डूबने की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आपदा प्रबंधन विभाग

की टीम के साथ में पार्वती नदी में रेस्क्यू अभियान चलाया। राहत एवं बचाव अभियान के दौरान पुलिस की टीम ने मंगलवार देर शाम को दिलीप का शव नदी से बरामद कर लिया, लेकिन योगेश का कुछ पता नहीं लगा। इसके बाद में बुधवार को एक बार फिर से राहत और बचाव अभियान चलाया गया। पुलिस और बचाव दल को पार्वती नदी में डूबे दूसरे युवक योगेश बघेल का भी शव मिल गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा उनके शव परिजनों को सौंप दिए।

ठाकुरजी के भंडार से अब तक निकले 8 करोड़ रुपए

सांवलिया सेठ के खजाने में नोटों की 'बरसात'... गिनती अभी भी जारी

बेधड़क | चित्तौड़गढ़

जिले के मंडफिया में स्थित प्रसिद्ध कृष्ण धाम श्री सांवलिया सेठ के मुख्य मंदिर में स्थित भंडार को परंपरा के अनुसार चतुर्दशी के अवसर पर खोला गया। इसमें प्रथम चरण की गिनती पूरी हो गई। इसमें 8 करोड़ का चढ़ावा सांवलिया सेठ को भक्तों की श्रद्धा के रूप में प्राप्त हुआ है।

इस मंदिर के भंडार को परंपरा के अनुसार हर माह अमावस्या के अवसर पर खोला जाता है, जिसमें भंडार खोलने के बाद थाली में भरकर ओसरा पुजारी राशि निकलता है और उसके बाद बची हुई राशि की गणना शुरू होती है। सोमवती अमावस्या के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच सांवलिया सेठ का श्रद्धा पात्र खोला गया। इसमें भेंट स्वरूप 8 करोड़ की राशि प्राप्त हुई है। यह पहले चरण की गणना है और अभी तक इस राशि की गणना की जा रही है। लगभग 5 दिन तक राशि की गिनती होती है, उसके बाद संपूर्ण राशि का ब्योरा सामने आता है। उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष इस भंडार की राशि में लगातार बढ़ोतरी हो रही है. सांवलिया सेठ की महिमा के अनुरूप न केवल मेवाड़ बल्कि आसपास के क्षेत्र से श्रद्धालु इस मंदिर में पहुंचकर सांवलिया सेठ को अपनी श्रद्धा अर्पित करते हैं। धीरे-धीरे मंदिर की ख्याति बढ़ने के साथ श्रद्धालुओं की संख्या में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिसके परिणाम स्वरूप भंडार की राशि में भी लगातार इजाफा हो रहा है।

आभूषण और विदेशी मुद्रा भी चढ़ाते हैं भक्त

मंदिर में भारतीय मुद्रा के साथ-साथ श्रद्धालु सांवलिया सेठ को सोने चांदी के आभूषण और अन्य कई वस्तुएं भी भेंट स्वरूप अर्पित करते हैं, जो मंदिर के कार्यालय में देकर उसकी रसीद प्राप्त करते हैं। फिलहाल भंडार की गणना की जा रही है, इसके पश्चात सोने चांदी आभूषण और कार्यालय के साथ-साथ ऑनलाइन प्राप्त होने वाली राशि की गणना की जाएगी। मंदिर की गणना के दौरान मंदिर मंडल के पदाधिकारियों के अतिरिक्त मंदिर की व्यवस्था से जुड़े प्रशासनिक अधिकारी और विभिन्न बैंकों की गणना में सहयोग देने वाले कार्मिक भी मौजूद रहते हैं।

सांवरिया सेठ को व्यापारी बनाते हैं पार्टनर

सांवलिया सेठ का मंदिर चित्तौड़गढ़ जिला मुख्यालय से 40 किमी दूर स्थित मंडफिया गांव में स्थापित है। यहां मानता है कि व्यापारी और किसान सांवलिया सेठ को अपना पार्टनर बनाते हैं। व्यापारी व्यवसाय में होने वाले लाभ की एक निश्चित राशि सांवलिया सेठ को नियमित रूप से अर्पित करते हैं। सांवलिया सेठ का मंदिर अपने आप में चमत्कारिक मंदिर है। कालांतर में सांवलिया के तीन विग्रह निकले थे, जिनमें से एक विग्रह को उदयपुर राजमार्ग पर भादसोड़ा चौराहे पर स्थापित किया गया है, जिसे प्राकट्य स्थल के रूप में माना जाता है, वहीं एक अन्य विग्रह भादसोडा में स्थापित किया गया है, जो इस गांव के बीचोबीच बने मंदिर में स्थापित है, वहीं चौराहे से 5 किमी दूरी पर मंडपिया गांव में एक विग्रह स्थापित किया गया, जिसे मुख्य मंदिर के नाम से जाना जाता है।

यहां होता है पैसे का उपयोग

सांवलिया सेठ को प्राप्त राशि का उपयोग मंदिर के विस्तार के साथ-साथ आसपास के 16 गांव में ढांचागत और मूलभूत विकास कार्यों के लिए किया जाता है। चिकित्सा, सड़क और अन्य सुविधाओं के विस्तार के लिए भी सांवलिया सेठ को चढ़ाई जाने वाली राशि का उपयोग किया जाता है। इसी के साथ-साथ प्राकृतिक आपदा के समय में भी मंदिर मंडल द्वारा सांवलिया सेठ को चढ़ाई गई राशि का उपयोग प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री सहायता कोष के माध्यम से आमजन के उपयोग के लिए दिया जाता है। कोरोना काल में भी एक बड़ी राशि कोरोना की आपदा से निपटने के लिए दी गई थी।

सीकर के रिटायर्ड बैंक प्रबंधक लक्ष्मीनारायण चेजारा ने स्टेनों सिखाकर अब तक दिलाई 1 हजार सरकारी नौकरी

48 साल से निशुल्क शिक्षा देकर संवारी कइयों की जिंदगी

बेधड़क | जयपुर

पुराने समय में स्कूल की जगह गुरुकुल और आश्रमों में बच्चें मुफ्त में शिक्षा ग्रहण करते थे। लेकिन बदलते वक्त की शिक्षा प्रणाली में गुरुकुलों की जगह अब स्कूल, कॉलेज, कोचिंग सेंटर व्यावसायिक रूप ले चुके हैं। शिक्षा इतनी महंगी हो गई कि आम आदमी अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देने में भी असमर्थ है। ऐसे में आज भी एक गुरुकुल बच्चों को पूरी तरह से फ्री में शिक्षा दे रहा है। यह गुरुकुल है कोचिंग सिटी सीकर शहर में । यहां के जयपुर रोड स्थित रीको इंडस्ट्रीयल एरिया में जोशी शॉर्टहैंड प्रशिक्षण केंद्र स्टेनो निशुल्क शिक्षा के लिए पूरे देश भर में मशहूर है। जहां स्टेनोमैन के नाम से मशहूर लक्ष्मीनारायण चेजारा 48 वर्ष से स्टेनों की निशुल्क शिक्षा उपलब्ध करा रहे हैं। जो आज गरीब विद्यार्थियों के लिए किसी मसीहा से कम नहीं हैं। उनके पढ़ाए लगभग एक हजार विद्यार्थी सरकारी सेवा में पीए या स्टेनो के रूप में सेवा दे रहे हैं। चेजारा से 48 वर्ष में लगभग 15 हजार छात्र निशुल्क शॉर्टहैंड की शिक्षा ग्रहण कर चुके हैं। ऐसे में इनके छात्रों में अपने गुरु के प्रति अगाध श्रद्धा है और वे कहते हैं कि उनके गुरु अपने शिष्यों को सिर्फ निशुल्क ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि अपना जमा धन भी इन्हीं गरीब विद्यार्थियों पर खर्च कर देते हैं ऐसे निस्वार्थ और प्रेरणादायी व्यक्तित्व आज के जमाने में दुर्लभ है।

ऐसे हुई शुरुआत

जोशी शॉर्टहैंड इंस्टीट्यूट की नींव 68 वर्षीय लक्ष्मीनारायण चेजारा ने 1976 में रखी। चेजारा सीकर केन्द्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड में वरिष्ठ प्रबंधक पद से 2016 में सेवानिवृत्त हुए। अपने सेवाकाल में अपने वेतन का आधा हिस्सा ये अपने छात्रों की पढ़ाई पर ही खर्च करते रहे हैं।

यहां तक पहुंचे चेजारा के शिष्य

इनके शिष्य भारतीय संसद, सर्वोच्च न्यायालय, राजस्थान उच्च न्यायालय, राजस्थान विधान सभा, राज्य व केंद्रीय सचिवालय, राजस्थान सरकार के विभिन्न राजकीय कार्यालय, भारतीय सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, सीमा सुरक्षा बल व विभिन्न राज्यों के सरकारी विभागों में सेवारत हैं। यही कारण है कि आज इनके इंस्टीट्यूट में राजस्थान के अलावा अन्य राज्यों के भी गरीब विद्यार्थी शॉर्टहैंड का प्रशिक्षण प्राप्त करने आते हैं। सीकर जिले के न्यायालयों में पीए पद पर कार्यरत अधिकांश स्टेनोग्राफर इन्हीं के छात्र हैं। इसके अलावा शेखावाटी क्षेत्र के तमाम विभागों में अधिकांश स्टेनोग्राफर इन्हीं से प्रशिक्षित होकर सरकारी सेवा में कार्यरत हैं।

गुरु ओमप्रकाश से मिली प्रेरणा को कर रहे हैं प्रकट

सीकर शहर के राधाकिशनपुरा में रहने वाले चेजारा आज भी बहुत ही सादगीपूर्ण जीवन व्यतीत करते हैं। इनके शिष्य आज वैभवपूर्ण जिंदगी व्यतीत कर रहे हैं । चेजारा को निशुल्क पढ़ाने की प्रेरणा अपने गुरू ओमप्रकाश जोशी से मिली है। गुरू ओमप्रकाश जोशी ने ही चेजारा को निशुल्क शिक्षा-दीक्षा प्रदान की और इसी से प्रेरित होकर वे आजीवन निशुल्क शिक्षा का संकल्प लेकर अपने गुरू के प्रति गुरूदक्षिणा प्रकट कर रहे हैं।

Yuva स्टोरीज

प्राचार्य को किया द्रोणाचार्य सम्मान से सम्मानित

बेधड़क | जयपुर

रावत पब्लिक स्कूल प्रताप नगर की प्राचार्या मैत्रेयी शुक्ला को प्रदेश के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने "द्रोणाचार्य सम्मान" समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने हेतु पुरस्कृत किया है।

कार्यक्रम में शिक्षक दिवस के पूर्व शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने के लिए चयनित प्रिंसिपल एवं टीचर्स को सम्मानित किया गया। रावत एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन बी एस रावत ने प्राचार्या को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। रावत एजुकेशनल ग्रुप के निदेशक नरेंद्र सिंह रावत ने बताया कि रावत पब्लिक स्कूल प्रताप नगर की प्रगति के लिए उनका योगदान प्रशंसनीय है। शुक्ला को इससे पूर्व अनेक बार रावत एजुकेशनल ग्रुप द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय संपूर्ण मैनेजमेंट टीम एवं स्टाफ मेंबर्स को दिया।

वन्दना का जिलास्तर पर होगा शिक्षक सम्मान

बेधड़क | जयपुर

जयपुर। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय नांगल सुसावतान आमेर की शिक्षिका वन्दना शर्मा का स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षक सम्मान 2024 में जयपुर ग्रामीण से शिक्षक सम्मान के लिए चयन किया गया है। वन्दना को यह पुरस्कार उनके विगत वर्षों में श्रेष्ठ परिणाम, भामाशाहों को प्रेरित कर जनसहयोग, विद्यार्थी हित में किए गए नवाचार, आनलाईन कक्षाओं, स्पोकन इंग्लिश कक्षाओं का आयोजन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्रदान किया जा रहा है। वंदना शर्मा का परीक्षा परिणाम विगत पांच वर्षों में ब्लॉक में सर्वश्रेष्ठ रहा है तथा विद्यालय में 16 लाख से अधिक का जनसहयोग करवाया।

सरकार के आश्वासन के बाद शिक्षक रैली की गई स्थगित

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) की ओर से शिक्षकों के सभी केडर की विभिन्न मांगों को लेकर चलाए जा रहे प्रांत व्यापी आंदोलन के तहत 12 सितंबर को जयपुर में आयोजित की जाने वाली विशाल शिक्षक रैली एवं प्रदर्शन को शिक्षा मंत्री के साथ आगामी दिनों में होने वाली वार्ता के लिखित आश्वासन के बाद स्थगित कर दिया गया है।

संगठन के मुख्य महामंत्री व प्रांतीय संघर्ष समिति के अध्यक्ष नवीन कुमार शर्मा ने बताया कि संगठन के 25 सूत्रीय मांग पत्र को लेकर बुधवार को संगठन के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल को शिक्षा मंत्री के साथ वार्ता के लिए बुलाया गया था, लेकिन शिक्षा मंत्री के केबिनेट बैठक व अन्य राजकीय कार्यों में व्यस्तता के कारण शिक्षा मंत्री के विशेषाधिकारी सतीश कुमार गुप्ता से शिक्षा संकुल स्थित उनके कार्यालय में भेंट की। विशेषाधिकारी गुप्ता ने संगठन के 25 सूत्रीय मांग पत्र पर शीघ्र ही समय निर्धारित कर शिक्षा मंत्री से वार्ता करवाने का लिखित आश्वासन देते हुए शिक्षक रैली स्थगित करने का अनुरोध करने पर रैली को स्थगित करने का निर्णय लिया।

निर्वाण विवि में रिसर्च मेथोडोलॉजी पर नेशनल वेबिनार

शोध पद्धतियों के विभिन्न पहलुओं-चुनौतियों पर चर्चा

बेधड़क | जयपुर

निर्वाण विश्वविद्यालय जयपुर के सेंट्रल लाइब्रेरी "ज्ञान धारा" और स्कूल ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड साइंसेज के संयुक्त तत्वावधान में बीते सोमवार को "रिसर्च मेथोडोलॉजी" विषय पर एक महत्वपूर्ण नेशनल वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय, केशव विद्यापीठ, जामडोली, जयपुर की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) रीता शर्मा ने अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने शोध पद्धतियों के विभिन्न पहलुओं पर गहन चर्चा की और शोध के दौरान आने वाली चुनौतियों से संबन्धित व्यावहारिक सुझाव दिए।

प्रो. शर्मा ने बताया कि एक सफल शोध के लिए विधिपूर्वक अनुसंधान करना अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिससे न केवल शोधार्थियों को बल्कि पूरे समाज को लाभ मिलता है। उनके अनुभव और विशेषज्ञता ने वेबिनार को अत्यंत प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक बना दिया, जिससे प्रतिभागियों को शोध के विभिन्न आयामों को समझने में महत्वपूर्ण सहायता प्राप्त हुई। इस अवसर पर निर्वाण विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. एस. एल. सिहाग ने वेबिनार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शोध पद्धतियां किसी भी अनुसंधान की नींव होती हैं। यह वेबिनार हमारे शोधार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर था, जिसके माध्यम से उन्होंने शोध की गहराईयों को समझा और इसे अपने कार्यों में लागू करने की दिशा में कदम उठाया।

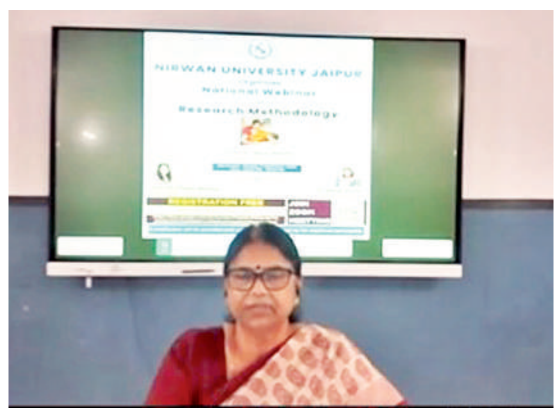

शोधार्थियों और शिक्षकों के लिए वेबिनार रही विशेष रूप से उपयोगी

वाइस चेयरमैन डॉ. आर. के. अरोड़ा ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, इस प्रकार के वेबिनार न केवल शोधार्थियों के लिए बल्कि शिक्षकों के लिए भी अत्यंत उपयोगी होते हैं। यह उन्हें शोध के प्रति उत्साहित करते हैं और उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करने में सहायक होते हैं। ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से विश्वविद्यालय शोध के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। वेबिनार का आयोजन स्कूल ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड साइंसेज की डीन प्रो. डॉ. प्रीति शर्मा और सेंट्रल लाइब्रेरी की प्रमुख डॉ. रीना आनंद द्वारा किया गया। वेबिनार में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शोधार्थियों और शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई, जिससे यह आयोजन अत्यधिक सफल रहा।

प्रतिभागियों के प्रश्न-उत्तर सत्र का चला सिलसिला

विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, डॉ. एन. डी. जसूजा ने वेबिनार की सफलता के लिए आयोजन समिति को बधाई दी और भविष्य में इस प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रमों को निरंतरता देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "इस प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रम शोधार्थियों और शिक्षकों को नए विचारों और दृष्टिकोणों से अवगत कराते हैं, जो शोध कार्यों को और अधिक समृद्ध बनाते हैं।" इस वेबिनार का समापन प्रतिभागियों के प्रश्न-उत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने अपने शोध से संबंधित सवाल पूछे और प्रो. (डॉ.) रीता शर्मा ने उन सवालों का विस्तृत उत्तर दिया। इस आयोजन ने निर्वाण विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और शोधात्मक प्रयासों को एक नई दिशा दी और इस बात को स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा और शोध के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

RAS प्रारंभिक परीक्षा सहित 2 अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तारीखें घोषित

अजमेर। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से बुधवार को आरएएस प्रारंभिक परीक्षा- 2024 सहित 2 अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तारीख घोषित कर दी है। आयोग सचिव ने बताया कि राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी (प्रारंभिक) परीक्षा-2024 का आयोजन 2 फरवरी 2025 को किया जाना प्रस्तावित है। सहायक मत्स्य विकास अधिकारी प्रतियोगी परीक्षा-2024 का आयोजन 26 अक्टूबर 2025 एवं समूह अनुदेशक/सर्वेयर/सहायक शिक्षुता सलाहकार ग्रेड-द्वितीय प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन 9 नवंबर 2025 को प्रस्तावित किया गया है। वहीं आरएएस भर्ती-2024 के लिए ऑनलाइन आवेदन 19 सितंब से होंगे शुरू राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं के पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन 19 सितंबर से 18 अक्टूबर की रात्रि 12 बजे तक किए जा सकेंगे। सहायक मत्स्य विकास अधिकारी के पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन 11 सितंबर से 10 अक्टूबर की रात्रि 12 बजे तक एवं समूह अनुदेशक/सर्वेयर/सहायक शिक्षुता सलाहकार ग्रेड-।। के पदों ऑनलाइन आवेदन 17 सितंबर से 16 अक्टूबर की रात्रि 12 बजे तक किए जा सकेंगे।

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह आज

जयपुर। राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह गुरुवार को बिड़ला सभागार में सुबह 11 बजे से होगा। मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और विशिष्ट अतिथि उप-मुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेम चन्द बैरवा, मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ तथा अध्यक्षता शिक्षा मंत्री मदन दिलावर करेंगे।

शिक्षक दिवस पर राष्ट्रपति का संदेश

शिक्षकों पर भावी पीढ़ी के मस्तिष्क को पोषित करने की जिम्मेदारी

बेधड़क | नई दिल्ली

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर देश भर के शिक्षकों को शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षकों को भावी पीढ़ी के मस्तिष्क को पोषित करने और उन्हें समग्र उत्कृष्टता की ओर मार्गदर्शन करने का महत्वपूर्ण कार्य सौंपा गया है। एक संदेश में राष्ट्रपति ने कहा कि इस दिन महान शिक्षाविद्, दार्शनिक और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती होती है। वे पूरे देश के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत हैं।

उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। विद्यार्थी के रूप में वे जीवन-कौशल और मूल्य सीखते हैं। शिक्षक, मार्गदर्शक के रूप में छात्रों को भविष्य के नेताओं में ढाल सकते हैं, जो हमारे देश की नियति को आकार देंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षकों को भावी पीढ़ी के मस्तिष्क को पोषित करने, उन्हें समग्र उत्कृष्टता की ओर मार्गदर्शन करने का महत्वपूर्ण कार्य सौंपा गया है।

शिक्षकों का कर्तव्य है कि वे छात्रों में नैतिक मूल्य, आलोचनात्मक सोच कौशल और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना पैदा करें। जैसा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पना की गई है, शिक्षा प्रदान करने के आधुनिक तरीकों और प्रौद्योगिकी के इष्टतम उपयोग के माध्यम से, शिक्षक छात्रों को एक उपयोगी जीवन जीने और एक विकसित राष्ट्र का निर्माण करने के लिए सशक्त बना सकते हैं।

प्रदेश के दो शिक्षकों को दिल्ली में मिलेगा पुरस्कार

जयपुर। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार नई दिल्ली में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रोपदी मूर्मू की ओर से प्रदान किए जाएंगे। शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग ने इस वर्ष के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए 50 शिक्षकों का चयन किया है। इसमें 2 राजस्थान से है। इनमें राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार पाने वाले राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बीएसएफ बीकानेर के सामाजिक विज्ञान के अध्यापक हुकम चंद चौधरी डिजिटल गुरु के नाम से प्रसिद्ध है। उन्होंने आईसीटी का उपयोग कर आपने विभिन्न मोबाइल ऐप ओर वेब पोर्टल बनाए हैं। वहीं दूसरे शिक्षक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय 4 जेजे के उप प्रधानाचार्य बलजिंदर सिंह बराड़ है। इन्होंने कबाड़ से जुगाड़ (जीरो इन्वेस्ट टीएलएम) के साथ आईसीटी के प्रयोग से शिक्षण, साथ ही अंग्रेजी विषय की पाठ्य सामग्री का सरलीकरण करवाया है।

नियुक्ति | चिकित्सा विभाग में मिशन मोड में भर्तियां

महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता की अंतिम वरीयता सूची जारी

बेधड़क | जयपुर

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में भर्तियों के काम को मिशन मोड में अंजाम दिया जा रहा है। इसी कड़ी में चिकित्सा मंत्री की मंजूरी के बाद बुधवार को महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता के 3671 पदों पर अंतिम वरीयता सूची जारी की गई। इन महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का जल्द पदस्थापन होने से गांव-ढ़ाणी तक स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूती मिलेगी।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में भर्तियों का काम प्रतिबद्धता के साथ पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विभाग में अधिकारियों एवं समस्त टीम के प्रयासों से मिशन मोड में भर्तियों की प्रक्रिया को गति मिली है। उन्होंने चयनित अभ्यर्थियों और उनके परिवारजन को भी बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

4847 में से 3671 पदों के लिए अंतिम वरीयता सूची जारी

अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (शीफू) के माध्यम से 20 हजार से अधिक विभिन्न पदों पर भर्ती की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। इसी क्रम में महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के 4847 पदों में से 3671 पदों के लिए अंतिम वरीयता सूची को चिकित्सा मंत्री ने मंजूरी दी है। उन्होंने बताया कि इस भर्ती को पूरा करने के लिए शीफू द्वारा अंतरिम वरीयता सूची पर प्राप्त परिवेदनाओं का निस्तारण किया गया एवं अन्य राज्यों से व्यावसायिक योग्यता अर्जित करने वाले चयनित अभ्यर्थियों की अंकतालिकाओं का विभिन्न राज्यों में टीमें भेजकर सत्यापन करवाया गया। इसी प्रकार अभ्यर्थियों के अनुभव प्रमाण पत्रों का पुनर्सत्यापन, आर.एन.सी. पंजीयन का प्रमाणन आदि प्रक्रियाओं को अपनाते हुए 3671 पदों के लिए यह अंतिम वरीयता सूची जारी की गई।

1176 पदों पर सत्यापन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद परिणाम होगा जारी

शेष रहे 1176 पदों पर चयनित अभ्यर्थियों, जिनका परिणाम अनुभव सत्यापन, अंकतालिकाओं के सत्यापन, खेल प्रमाण पत्रों के सत्यापन, मेडिकल बोर्ड से दिव्यांगजन प्रमाण पत्रों के सत्यापन का कार्य प्रक्रियाधीन होने के कारण रोका गया है। सत्यापन के बाद शीघ्र ही इन पदों का परिणाम भी जारी कर दिया जायेगा।

ज्ञान और परम्परा पर आधारित हो शिक्षा

डॉ. सौरभ मालवीय
वरिष्ठ साहित्यकार

शिक्षा को लेकर समय-समय पर अनेक प्रश्न उठते रहते हैं जैसे कि शिक्षा पद्धति कैसी होने चाहिए? पाठ्यक्रम कैसा होना चाहिए? विद्यार्थियों को पढ़ाने का तरीका कैसा होना चाहिए? वास्तव में स्वतंत्रता से पूर्व देश में अंग्रेजी शासन था। अंग्रेजों ने अपनी सुविधा एवं आवश्यकता के अनुसार शिक्षा पद्धति लागू की। उनका उद्देश्य भारतीयों को शिक्षित करना नहीं था, अपितु उनका उद्देश्य केवल अपने लिए क्लर्क तैयार करना था। देश की स्वतंत्रता के पश्चात स्वदेशी सरकार ने इस ओर विशेष ध्यान नहीं दिया। स्वतंत्रता के पश्चात देश में बहुत से कार्य करने थे। संभव है कि इस कारण इस ओर ध्यान नहीं गया हो अथवा उस समय के लोगों को अंग्रेजी शिक्षा पद्धति ही उचित लगी हो। कारण जो भी रहा हो, देश में अंग्रेजी शिक्षा पद्धति से ही पढ़ाई होती रही। कुछ दशकों पूर्व देश में नई शिक्षा पद्धति की आवश्यकता अनुभव की जाने लगी तथा इस पर विचार-विमर्श भी प्रारंभ हुआ।

वर्तमान शिक्षा पद्धति का अपना महत्व है। आज प्राथमिक विद्यालयों के बच्चे भी विभिन्न विषयों पर बात कर लेते हैं, क्योंकि उन्हें आरंभ से ही विभिन्न विषय पढ़ाए जाते हैं। कुछ दशक पूर्व तक ऐसा नहीं था। किंतु आज की शिक्षा पद्धति में कुछ कमियां भी हैं, जैसे आज परीक्षा में सर्वाधिक अंक लाने पर बल दिया जाता है। अभिभावक भी यही चाहते हैं। उनके लिए इस बात का कोई अर्थ नहीं है कि उनके बच्चे विषय को समझ कर ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं अथवा केवल रट्टे लगाकर परीक्षा में उत्तर लिख रहे हैं। उन्हें तो केवल अधिक से अधिक अंक चाहिए। परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी ही योग्य माने जाने लगे हैं। कम या औसत अंक पाने वाले विद्यार्थी कमजोर माने जाते हैं। इसलिए विद्यार्थियों पर परीक्षा का दबाव बना रहता है। अकसर वे मानसिक तनाव की चपेट में भी आ जाते हैं। दबाव के कारण भी उन्हें अधिक अंक पाने की लालसा रहती है। इसलिए आज शिक्षा व्यवसायिक होती जा रही है। किंतु सुखद बात यह है कि शिक्षाविदों और सरकारों का ध्यान इस ओर गया है तथा इसमें अब परिवर्तन आने लगा है। अपनी मातृभाषा में शिक्षा दिलाना, इसका एक बड़ा उदाहरण है। अब प्राथमिक विद्यालयों से लेकर विश्विद्यालयों तक में मातृभाषा में शिक्षा दिलाई जाने लगी है। आज के समय में हिंदी में चिकित्सीय एवं तकनीकी शिक्षा उपलब्ध करवाना किसी स्वप्न से कम नहीं है। कुछ वर्ष पूर्व तक इस बारे में सोचना भी सरल नहीं था। यह एक सार्थक पहल है। भविष्य में इसके अच्छे परिणाम सामने आएंगे।

> *“हमारी प्राचीन शिक्षा प्रणाली ऐसी ही थी। शिक्षा का प्रथम उद्देश्य ही विद्यार्थी के चरित्र का निर्माण करना होता है। विश्व के अधिकतर देशों में जब बर्बरता का युग था, उस समय भी हमारी भारतीय सभ्यता अपने शीर्ष पर थी। इसका सबसे बड़ा कारण शिक्षा ही है। हमारे पूर्वजों ने शिक्षा के क्षेत्र में अत्यंत उन्नति की। शिक्षा के कारण ही जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विकास हुआ।”*

शिक्षा भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित होनी चाहिए। सदैव से हमारी प्राचीन भारतीय सभ्यता विश्व की सर्वाधिक गौरवशाली एवं समृद्ध सभ्यताओं में एक रही है। विश्व के अधिकतर देशों में जब बर्बरता का युग था, उस समय भी हमारी भारतीय सभ्यता अपने शीर्ष पर थी। इसका सबसे बड़ा कारण शिक्षा ही है। हमारे पूर्वजों ने शिक्षा के क्षेत्र में अत्यंत उन्नति की। शिक्षा के कारण ही जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विकास हुआ। इस पवित्र भारत भूमि पर वेद, पुराणों एवं उपनिषदों की रचना हुई। रामायण की रचना हुई, जिसमें जीवन का सार है। महाभारत की रचना हुई, जो हमें अन्याय के विरुद्ध खड़ा होने की प्रेरणा देती है। यह सब शिक्षा के कारण ही संभव हो सका। मानव के लिए जितने आवश्यक वायु, जल एवं भोजन है, उतनी ही आवश्यक शिक्षा भी है। हमारी प्राचीन शिक्षा प्रणाली ऐसी ही थी। शिक्षा का प्रथम उद्देश्य ही विद्यार्थी के चरित्र का निर्माण करना होता है। हमारी भारतीय संस्कृति में चरित्र निर्माण पर सर्वाधिक बल दिया गया है, क्योंकि चरित्र के बिना किसी भी गुण का कोई महत्व नहीं है। मनुस्मृति में कहा गया है कि सभी वेदों का ज्ञाता विद्वान भी सच्चरित्रता के अभाव में श्रेष्ठ नहीं है, किंतु केवल गायित्री मंत्र का ज्ञाता पंडित यदि चरित्रवान है, तो वह श्रेष्ठ है। इससे चरित्र की महत्ता का पता चल जाता है। वास्तव में शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्राप्त करना नहीं होना चाहिए, अपितु शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास होना चाहिए, ताकि वह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विकास कर सके। शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थी को उसके अधिकारों के साथ-साथ उसके कर्त्तव्यों के बारे में जानकारी देना भी होना चाहिए, ताकि वह अपने अधिकारों को प्राप्त कर सके तथा परिवार एवं समाज के प्रति अपने कर्त्तव्यों का भी निर्वहन कर सके। शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थी के जीवन स्तर को उन्नत एवं समृद्ध बनाना भी है। शिक्षा के माध्यम से वह अपने जीवन को सुगम, उन्नत एवं समृद्ध बना सके। प्राचीन काल में विद्यार्थियों को अक्षर ज्ञान के साथ-साथ व्यवसायिक कार्यों का भी प्रशिक्षण दिया जाता था, ताकि वे अपने-अपने कार्यों में भी निपुणता प्राप्त कर सकें। एक नैतिकता से परिपूर्ण चरित्रवान व्यक्ति ही अपने कुल, समाज एवं राष्ट्र का नाम ऊंचा कर सकता है। इसके अतिरिक्त शिक्षा विज्ञान पद्धति पर भी आधारित होनी चाहिए तथा इसमें नवाचार भी होना चाहिए।

मर्यादा पुरुषोत्तम राम का चरित्र प्रेरणा का स्त्रोत है। वे एक आदर्श पुत्र, आदर्श भ्राता एवं आदर्श मित्र आदि थे। इसके अतिरिक्त देश के महापुरुषों से संबंधित जीवनियां भी बच्चों को पढ़ाई जानी चाहिए, ताकि वे इनसे प्रेरणा प्राप्त कर सकें। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि यदि शिक्षा भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित होगी, तो इससे शिक्षकों एवं छात्रों के संबंध और अधिक मधुर होंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

शिक्षक दिवस पर विशेष

आज गुरुजनों के सम्मान का दिन

अरविंद जयतिलक
स्वतंत्र टिप्पणीकार

> *“जीवन के आरंभ से ही गुरु की महत्ता को रेखांकित किया गया है। संत कबीर कहते हैं कि ‘हरि रुठे गुरु ठौर हैं, गुरु रुठे नहीं ठौर’। अर्थात भगवान के रुठने पर तो गुरु की शरण रक्षा कर सकती है, लेकिन गुरु के रूठने पर कहीं भी शरण नहीं मिलेगा। कबीर कहते हैं कि ‘कुमति कीच चेला भरा, गुरु ज्ञान जल होय, जनम-जनम का मोरचा, पल में डाले धोय’ अर्थात कुबुद्धि रूपी कीचड़ से शिष्य भरा है और गुरु का ज्ञान जल है।”*

आज गुरुओं के सम्मान का दिन है। 5 सितंबर को देश भर में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। 1962 में जब डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन भारतीय गणतंत्र के दूसरे राष्ट्रपति बने तब उनके विद्यार्थियों ने उनका जन्मोत्सव मनाने का विचार किया, लेकिन उन्होंने इस अनुरोध को अस्वीकार कर सुझाव दिया कि अगर वे उनके जन्मोत्सव को शिक्षक दिवस के रूप में मनाएं तो ज्यादा खुशी होगी। तभी से इस दिन को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन अक्सर कहा करते थे कि शिक्षक का कार्य केवल शिक्षण संस्थानों की परिधि तक ही सीमित नहीं है। समाज व राष्ट्र के गुणसूत्र को बदलने की जिम्मेदारी भी उसके कंधे पर होती है। इसलिए कि वह राष्ट्रीय जनमानस का प्रतिनिधि होता है। उसके आदर्शवादी मूल्य और सारगर्भित विचारधारा समाज व देश के लिए प्रेरणास्त्रोत होते हैं। राधाकृष्णन एक उत्कृष्ट विद्वान, महान शिक्षाशास्त्री के अलावा कुशल वक्ता भी थे। अंग्रेजी और संस्कृत पर उन्हें असामान्य अधिकार था।

भारत में सत्ता हस्तांतरित होने के गौरवशाली अवसर पर जो गिने-चुने महापुरुषों ने अपने विचार व्यक्त किए उनमें डॉ. राधाकृष्णन भी थे। उनकी विद्वता और ज्ञान सिर्फ कोरी शास्त्रीय नहीं थी बल्कि इसे अपने जीवन में उतारा भी। शिक्षा में महान योगदान को देखते हुए ही भारत सरकार ने उन्हें 1954 में भारत रत्न की उपाधि से विभुषित किया। आज के घोर भौतिकवादी और आचरणविहिन आधुनिकता की दौड़ में जब सभ्य समाज के निर्माण का सवाल पीछे छूट रहा है ऐसे में शिक्षकों को आगे बढ़कर अपना उत्तरदायित्व निभाना चाहिए। एक शिक्षक ही अपने गुरुत्तर उत्तरदायित्वों एवं संवेदनायुक्त आचरण से भारत राष्ट्र व समाज को संस्कारित कर सकता है। डॉ. राधाकृष्णन का जन्म 5 सितंबर 1888 को मद्रास के निकट तिरुतानी में हुआ। शिक्षा प्राप्ति के तदोपरांत डॉ. राधाकृष्णन ने सर्वप्रथम एक शिक्षक के रूप में मद्रास में लेक्चरर नियुक्त हुए। 1911 में वे मद्रास के प्रेसीडेंसी कालेज में असिस्टेंट प्रोफेसर और 1916 में प्रोफेसर बने। 1918 में वह मैसूर विश्वविद्यालय में चले गए और वहां 1921 तक रहे। 1926 और 1929-30 में आक्सफोर्ड के मानचेस्टर कालेज और 1926 में शिकागो विश्वविद्यालय में प्रोफेसर रहे। 1927 में भारतीय दर्शन परिषद के बंबई अधिवेशन के अध्यक्ष बने और 1936 में आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में प्राच्य धर्मो और नीतिशास्त्र के प्रोफेसर बने। दर्शनशास्त्र उनका प्रिय विषय था। सर आशुतोष मुखर्जी के निवेदन पर वे कलकत्ता विश्वविद्यालय में दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर पद पर कार्य करना स्वीकार किया। वे वहां 1921 से 1931 तथा 1937 से 1941 तक अध्यापन कार्य किए। इसके बाद वे आंध्रप्रदेश विश्वविद्यालय में 1939 से 1948 तक उपकुलपति रहे। 1931 से 1941 तक राष्ट्रसंघ की बौद्धिक सहकारिता संबंधी अंतर्राष्ट्रीय समिति के सदस्य रहे।

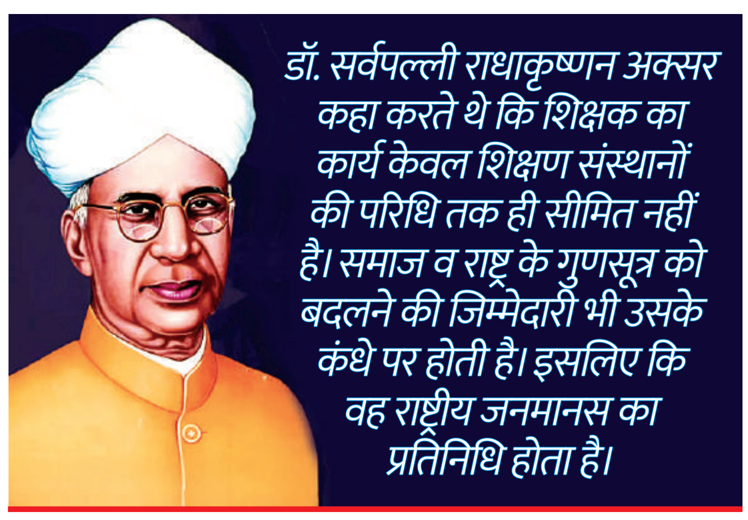

बंगाल की रायल एशियाटिक सोसायटी के फैलो और भारतीय विश्वविद्यालय कमिशन के अध्यक्ष के पद का भी उन्होंने शोभा बढ़ाया। 1916 महामना मदन मोहन मालवीय द्वारा बनारस में स्थापित काशी हिंदू विश्वविद्यालय में भी उन्होंने बतौर कुलपति अपनी भूमिका का गौरवपूर्ण निर्वहन किया। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान जब गांधी जी ने करो या मरो का नारा दिया उस दौरान काशी हिंदू विश्वविद्यालय के छात्रों ने इसमें बढ़-चढ़कर हिंसा लिया। शास्त्रों में कहा गया है कि ‘ऊं अज्ञान तिमिरान्धस्य ज्ञानाञ्जनशलाकया, चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै श्री गुरवे नमः’। अर्थात् ‘मैं घोर अंधकार में उत्पन्न हुआ था और मेरे गुरु ने अपने ज्ञान रूपी प्रकाश से मेरी आंखे खोल दी और मैं उन्हें प्रणाम करता हूं।’ गोस्वामी तुलसीदासजी ने रामचरितमानस में लिखा है कि-गुरु बिनु भवनिधि तरइ न कोई, जों बिरंचि संकर सम होई। अर्थात भले ही कोई ब्रह्मा और शंकर के समान क्यों न हो, वह भवसागर के बिना जीवन रूपी भवसागर पार नहीं कर सकता। जीवन के आरंभ से ही गुरु की महत्ता को रेखांकित किया गया है। संत कबीर कहते हैं कि ‘हरि रूठे गुरु ठौर हैं, गुरु रुठे नहीं ठौर’। अर्थात भगवान के रूठने पर तो गुरु की शरण रक्षा कर सकती है, लेकिन गुरु के रूठने पर कहीं भी शरण नहीं मिलेगा। कबीर कहते हैं कि ‘कुमति कीच चेला भरा, गुरु ज्ञान जल होय, जनम-जनम का मोरचा, पल में डाले धोय’ अर्थात कुबुद्धि रूपी कीचड़ से शिष्य भरा है और गुरु का ज्ञान जल है। इनमें इतना सामर्थ्य है कि वे शिष्यों के जन्म-जन्म का अज्ञान पल भर में दूर कर देते हैं। कबीर आगे कहते हैं कि ‘गुरु कुम्हार शिष्य कुंभ है, गढ़ि-गढ़ि काढ़ै खोट, अन्तर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट’ अर्थात मिट्टी के बर्तन समान शिष्य के लिए गुरु कुम्हार की तरह होते हैं। शास्त्रों में गुरु को तीर्थ से भी बड़ा कहा गया है।

तीरथ गए तो एक फल, संत मिले फल चार, सदगुरु मिले तो अनंत फल, कहे कबीर विचार। गुरु शिष्य का मार्गदर्शन कर उसके जीवन को उर्जा से भर देता है। लीलारस के रसिकों का दाता श्रीकृष्ण भी सद्गुरु ही है। भगवान श्रीकृष्ण ने गुरु रूप में शिष्य अर्जुन को संदेश दिया था कि ‘सर्वधर्मान्परित्यज्य मामेकं शरणं व्रज, अहं त्वा सर्वपापेभ्यो मोक्षयिष्यि माम शुचः। अर्थात सभी साधनों को छोड़कर केवल नारायण स्वरूप गुरु की शरणागत हो जाना चाहिए। वे उसके सभी पापों को नाश कर देंगे। वैदिककालीन महान विदुषियां लोपामुद्रा, घोषा, सिकता, अपाला, गार्गी और मैत्रेयी की रचित ऋचाओं में भी गुरुओं के प्रति सम्मान है। सद्गुरु की महिमा अनंत और अपरंपार है। उपनिषदों और स्मृति ग्रंथों में गुरु की महिमा का खूब बखान किया गया है। ईश्वर की सत्ता में विश्वास न रखने वाले जैन व बौद्ध धर्मग्रंथ भी गुरुओं के प्रति श्रद्धावान हैं। वशिष्ठ, याज्ञवल्क्य, पतंजलि और अगस्तय से लेकर तक्षशिला के महान गुरु चाणक्य तक गुरुओं की ऐसी आदर्श परंपरा रही है जिन्होंने अपनी ज्ञान उर्जा से राष्ट्र व समाज की अंतश्चेतना को जाग्रत व समृद्ध किया। भारत में गुरुओं की भूमिका केवल अध्यात्म और धार्मिकता तक ही सीमित नहीं रही। देश पर जब भी विपदा आन पड़ी गुरुओं ने राजसत्ता का मार्गदर्शन किया। रामायण व महाभारत काल ही नहीं हर युग में गुरुओं ने अपनी गुरुता का लोहा मनवाया है। परवर्ती काल के गुरुओं ने तक्षशिला, नालंदा और विक्रमशीला विश्वविद्यालय को वैश्विक ऊंचाई दी। चीनी यात्री ह्वेनसांग ने अपने विवरण में 5 वीं शताब्दी के महान शिक्षकों-धर्मपाल, चंद्रपाल, गुणपति, स्थिरमति, प्रभामित्र, जिनमित्र, आर्यदेव, दिगनाग और ज्ञानचंद्र इत्यादि का उल्लेख किया है। ये शिक्षक अपने विषयों के साथ-साथ समाज, राज्य, अर्थ, परराष्ट्र, दर्शन व संस्कृति संबंधी विषयों में भी पारंगत, निपुण और ज्ञानवान थे। नागार्जुन, असंग, वसुबंधु जैसे महान बौद्ध शिक्षकों की महत्ता को कोई कैसे भूला सकता है जिन्होंने समाज व राष्ट्र को महती दिशा दी। आदिकाल से ही शिक्षक भारतीय शिक्षा, संस्कृति, चिंतन और दर्शन के प्रवाह रहे हैं। आज के आधुनिक युग में भी गुरु की महत्ता में तनिक भी कमी नहीं आयी है। एक बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए आज भी गुरु का सानिध्य आवश्यक है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

आग लगेगी तो... दूर तक जाएगी

दिनेश विजयवर्गीय
व्यंग्यकार

एक सप्ताह बाद सत्यवादी पत्रकार मुंशी, मॉर्निंग वॉक में मिला। वह बोला आओ राजनीति की कुछ नई पुरानी बातें हो जाएं। हम दूर पड़ी एक खाली बेंच पर बैठ गए। वह आज पहले की तरह सहज नहीं था और ना सदाबहार रस रसीले अपने किस्से कहानी सुना रहा था। लगा जैसे दिल में कोई गुस्सा भरा पड़ा है। मैंने पूछा ‘कहीं कुछ बात हुई क्या?’ वह कहने लगा ‘अरे सर! मेरे पड़ोसी की हरकतों से परेशान हूं। वह मेरे सीधे साधे आदमी की छाती पर मूंग दल रहा है और इसी के चलते मेरी दिल में आग लग रही है।

‘मुझे लगा यह सत्यवादी कहीं कुछ करना ना बैठे। मैंने साहानुभूति जताते हुए कहा ‘अपने मन को ठंडा कर सोचो कोई न कोई हल निकल ही जाएगा। आग तो कई जगह लगती रहती है। जंगल में हवा संग लाड़ लड़ाती आग अपने डरावने रूप से आतंकित कर देती है, लेकिन वेग से पढ़ने वाली पानी की धार उसे देर सबेर ठंडा कर, उसकी अकड़ मिटा देती है और जल्द ही उसे उसकी औकात बता देती है।’

‘राजनीति में भी अकड़ निकाल कर औकात बताने के अवसर आते रहते हैं। जम्मू कश्मीर में धारा 370 हटाने से पहले वहां के नेता के कहा करते थे, धारा हटाई तो कश्मीर आग लग जाएगी। कश्मीर जल उठेगा। एक काल्पनिक डर बिठा रखा था। पर संकल्पित सरकार ने अपने निश्चय से सबको ठंडा कर दिया। आग लगी न कुछ हुआ और शांति बनी रही। जो पहले चुनाव का विरोध करते थे, वह भी चुनाव में भाग लेने लगें हैं। यह शांतिपूर्ण बदलाव पूरा देश देख रहा है। आग की झुलसन अब दूर तक भी नजर नहीं आती।

आग लगने की बातें कुछ दिन पहले तक पश्चिम बंगाल से भी निकल रही थी। बंगाल में आग लगेगी तो दूर-दूर तक जाएगी। दिल्ली और कुछ प्रदेश से चपेटे में आ जाएंगे। यह अपने राज की सत्ता को बचाने के धौस दपट्टी वाले तौर तरीके थे। जो मरता क्या न करता की तरह, विकल्प के रूप में सामने आने लगे थे। अब वक्त ही बताएगा कि आग लगेगी या उसे ठंडा कर दिया गया।

राहुल गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष
@RahulGandhi
हिंदुस्तान के इतिहास में पहली बार किसी राज्य का statehood छीन कर उसे Union Territory बनाया गया है। आज जम्मू-कश्मीर को बाहर से ‘राजतंत्र’ द्वारा चलाया जा रहा है, यहां का धन, अवसर, रोज़गार कश्मीरियों को नहीं, बाहर वालों को दिया जा रहा है - हम ये बिलकुल नहीं होने देंगे!

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान
@BhajanLalBJP
आज मुख्यमंत्री कार्यालय में केन्द्र द्वारा राज्यों के पूंजीगत निवेश (2024-25) के लिए विशेष सहायता योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक के दौरान विशेष सहायता के तहत चल रही परियोजनाओं को समयबद्ध तरीक़े से पूरा किए जाने को लेकर अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की गई, जिससे राज्य के विकास को नई गति मिलेगी।

योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
@myogiadityanath
उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस पूरी तरह से समाप्त हो चुका है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के आंकड़े बताते हैं कि उत्तर प्रदेश को भारत के विकास का बैरियर नहीं, बल्कि भारत के विकास के ग्रोथ इंजन के रूप में जाना जा रहा है। हमें एक स्वस्थ और सशक्त समाज का निर्माण करना है तो एक-एक बच्चे पर ध्यान देना होगा।

नॉलेज कॉर्नर: गुलाबी पत्थरों से हुआ है मंदिर का निर्माण

गलताजी: जिसे बंदरों का मंदिर भी कहते हैं

भारत में अनेकों मंदिर हैं जहां से हिंदू धर्म के लोगों की गहरी आस्था जुड़ी हुई है। लाखों की संख्या में श्रद्धालु यहां अपनी मुरादें लेकर आते हैं। भारत का राजस्थान राज्य अपने कई धार्मिक स्थलों के लिए जाना जाता है। यहां पर अनेकों मंदिर स्थित हैं, जो भारत की सांस्कृतिक विरासत के रूप में हमारे सामने नजर आती हैं। आज के आर्टिकल में हम आपको ऐसे ही मंदिर गलताजी मंदिर के बारे में बताएंगे, साथ ही हम आपको इस मंदिर की मान्यता और इसके पीछे जुड़े इतिहास से भी अवगत कराएंगे। तो आइए जानते हैं आज के नॉलेज कॉर्नर में गलताजी मंदिर से जुड़ी दिलचस्प बातों के बारे में।

मंदिर के बारे में

राजस्थान के जयपुर में बना गलताजी मंदिर भी उन्हीं धार्मिक स्थलों में से एक है। यह मंदिर जयपुर के रीगल शहर के बाहरी इलाकों में स्थित है। माना जाता है कि यह मंदिर प्रागैतिहासिक काल के दौरान बनाया गया था। इस ऐतिहासिक मंदिर को अरावली की पहाड़ियों की ऊंचाइयों पर बनाया गया है। मंदिर का निर्माण 16वीं शताब्दी में दीवान राव कृपाराम द्वारा करवाया गया था, जो कि राजपूत शासक सवाई जय सिंह के सलाहकार भी थे। गलताजी मंदिर को गुलाबी पत्थरों से बनाया गया है। मंदिर की छतों पर खूबसूरत

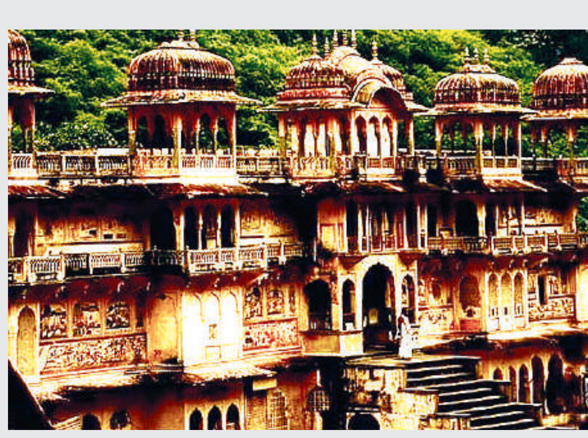

नक्काशी देखने को मिलती है। इस भव्य धार्मिक स्थान के अंदर भी कई अन्य मंदिर भी हैं, जिनमें मुख्य मंदिर हनुमान जी को समर्पित है। इसके अलावा यहां पर भगवान राम और कृष्ण को भी मंदिर देखने को मिलते हैं। इस मंदिर की बनावट जैसे किसी राज महल के तर्ज पर की गई हो।

इसलिए कहा जाता है बंदरों का मंदिर

यहां पर बहुत ज्यादा संख्या में बंदर रहते हैं, जिस कारण इस प्राचीन मंदिर को बंदरों का मंदिर भी कहा जाता है। यहां पर रहने वाले बंदर मंदिर के परिसर में ही घूमते रहते हैं, मगर वो कभी भी यात्रियों को नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। आप यहां पर जाकर इन बंदरों को खाना भी खिला सकते हैं, इन बंदरों के लिए ये जगह बहुत ज्यादा प्रसिद्ध है। जहां पर यह मंदिर बना हुआ है वहां का माहौल काफी हरा-भरा और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर है। यहां पर कई खूबसूरत झरने और पहाड़ देखने को मिलते हैं। निर्माण के कई सदियों बाद भी यहां का सौंदर्य देखने लायक होता है। मंदिर की सबसे खूबसूरत चीज यहां का झरना है, जो अरावली के पर्वत से बहता हुआ जाता है। इस झरने का पानी कई कुंड और तालाबों में भी जाता है, जहां यात्री चाहें तो जाकर स्नान भी कर सकते हैं।

इस तरह पहुंच सकते हैं मंदिर

गलताजी मंदिर पहुंचने के लिए आपका सबसे नजदीकी स्टेशन जयपुर है, यहां पहुंचने के बाद आप कार या टैक्सी की मदद से भी गलताजी पहुंच सकते हैं। अगर आप दिल्ली के आसपास रहते हैं, तो दिल्ली- जयपुर हाईवे पकड़कर कार या बस की मदद से आ सकते हैं। बाइ एयर भी सुविधा उपलब्ध है।

कंटेंट: प्रताप सिंह नेगी

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव : उद्धव ठाकरे की राय पर नहीं बन रही सहमति...कांग्रेस और राकांपा (एसपी) का रुख अलग

चुनाव से पहले सीएम फेस की घोषणा की कोई जरूरत नहीं: शरद पवार

एजेंसी | मुंबई

महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी (एमवीए) में विधानसभा चुनाव से पहले सीएम फेस की घोषणा को लेकर असहमति जारी है। राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को फिर दोहराते हुए कहा कि एमवीए की ओर से सीएम पद के चेहरे की घोषणा नहीं करनी चाहिए। पवार ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मुख्यमंत्री कौन होगा, इस संबंध में फैसला चुनाव परिणामों के बाद किया जा सकता है। बता दें कि एमवीए में शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) शामिल हैं।

शरद पवार का ये बयान ऐसे समय में आया है जब शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे विधानसभा चुनाव से पहले एमवीए द्वारा मुख्यमंत्री पद का चेहरा पेश करने पर जोर दे रहे हैं। उद्धव ने इस बात पर जोर दिया कि विधानसभा चुनाव में सबसे अधिक सीट जीतने वाली पार्टी के मुख्यमंत्री पद पर दावे से संबंधित

फॉर्मूले को अपनाने के बजाय महा विकास आघाड़ी चुनाव से पहले ही मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करे। हालांकि उद्धव की बात का उनके सहयोगी खुलकर समर्थन करते नजर नहीं आ रहे हैं।

जिसकी सीटें अधिक, उसी पार्टी का CM

शरद पवार ने फिर से कहा है कि मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार इस आधार पर तय किया जाएगा कि गठबंधन में कौन सी पार्टी सबसे अधिक सीट जीतती है। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि एमवीए सीट बंटवारे की प्रक्रिया पूरी करे और जल्द से जल्द चुनाव प्रचार शुरू करे। पवार ने कहा, एमवीए नेताओं को सात से नौ सितंबर के बीच बातचीत शुरू करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें उम्मीद है कि चुनाव प्रक्रिया नवंबर के दूसरे सप्ताह तक पूरी हो जाएगी। पवार ने कहा कि एमवीए के बीच बातचीत में पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी (पीडब्ल्यूपी), भाकपा और माकपा को भी शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, इन पार्टियों का राज्य के कुछ क्षेत्रों में प्रभाव है और उन्होंने लोकसभा चुनाव में एमवीए की मदद की थी।

नाना पटोले ने किया पवार का समर्थन

शरद पवार के इस बयान का महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना ने कहा कि चुनाव में हम महाविकास अघाडी के तौर पर ही जाएंगे और एमवीए ही हमारा संख्याबल होगा, सीएम हम बाद में तय करेंगे। दोनों नेताओं के बयान के बाद सियासी गलियारों में ये माना गया कि इससे उद्धव ठाकरे की दावेदारी कमजोर होगी।

CM पद को लेकर टकराव नहीं: आदित्य ठाकरे

शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि एमवीए के तीन घटक दलों के बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद को लेकर कोई टकराव नहीं है। विपक्षी गठबंधन का उद्देश्य शिवसेना, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) की मौजूदा सरकार को उखाड़ फेंकना है। एमवीए के मुख्यमंत्री पद के दावेदार का नाम चुनाव के बाद तय होने के शरद पवार के बयान पर उन्होंने कहा कि यह सही है। आंतरिक चर्चा होगी।

CBI ने मेरे खिलाफ निराधार केस दर्ज किया: देशमुख

मुंबई। राकांपा(एसपी) नेता व महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने बुधवार को दावा किया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो ने उनके खिलाफ एक नया बेबुनियाद मामला दर्ज किया है। उन्होंने इस साजिश के पीछे डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस की घबराहट को जिम्मेदार ठहराया। देशमुख पहले से ही भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का सामना कर रहे हैं। अनिल देशमुख ने कहा, मेरे खिलाफ यह साजिश इसलिए शुरू हुई, क्योंकि जनता का जनादेश देखकर फडणवीस घबरा गए हैं। मैं इस तरह की धमकियों और दबाव से बिल्कुल भी नहीं डरता हूं। उन्होंने बताया कि मैंने भाजपा के खिलाफ लड़ने की कसम खाई है।

कर्नाटक: सरकार के खिलाफ लड़ाई तेज करेगी भाजपा

बेंगलुरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के खिलाफ अपनी लड़ाई को और तेज कर सकती है। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को कहा कि पार्टी अगले चरण के आंदोलन की योजना पर चर्चा करेगी और इसके लिए पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ परामर्श करेगी। ज्ञात रहे कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का एक समूह कांग्रेस सरकार में महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम घोटाले और एससी/एसटी कल्याण के लिए तय कोष के दुरुपयोग के खिलाफ पदयात्रा निकालने की योजना बना रही है। इस समूह की अगुवाई भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल और रमेश जारकीहोलि कर रहे हैं। प्रह्लाद जोशी ने नई दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पहली और दूसरी पदयात्रा का कोई सवाल ही नहीं है। सभी मिलकर चर्चा करेंगे और निर्णय लेंगे।

हरियाणा: भाजपा ने घोषित किए 67 प्रत्याशी... कांग्रेस में सीटों पर मंथन जारी

CM सैनी लाडवा से लड़ेंगे चुनाव, दो मंत्रियों व संदीप सिंह का कटा टिकट

एजेंसी | नई दिल्ली

हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर कई बैठकों और मंत्रणों के दौर के बाद आखिरकार भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी है। इसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी समेत 67 प्रत्याशियों के नाम है। दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी में प्रत्याशियों की सूची को अंतिम रूप देने के लिए मंथन जारी है।

भाजपा की कोर कमेटी द्वारा मंथन के बाद उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की गई है। इसमें 17 विधायकों और आठ मंत्रियों को दोबारा टिकट दी गई है। पार्टी ने आठ महिलाओं को भी उम्मीदवार बनाया है। भाजपा लंबे समय से उम्मीदवारों के चयन के लिए बैठकें कर रही थी। भाजपा ने दो महीने पहले करनाल विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने वाले सीएम नायब सिंह सैनी की सीट पार्टी ने बदल दी है। अब वह कुरुक्षेत्र की लाडवा सीट से चुनाव मैदान में होंगे। ज्ञात रहे कि कुरुक्षेत्र में सैनी समुदाय की संख्या अधिक है। नायब सिंह यहां से सांसद भी रह चुके हैं।

इन दिग्गजों को मिला टिकट

प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ को बादली और वरिष्ठ पार्टी नेता अनिल विज को अंबाला कैंट से मैदान में उतारा गया है। पंचकूला से ज्ञान चंद गुप्ता, जगाधरी से कंवर पाल गुर्जर, रतिया से सुनीता दुग्गल, आदमपुर से भव्य बिश्नोई और सोहना से तेजपाल तंवर को उम्मीदवार बनाया गया है। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की बेटी आरती सिंह राव अटेली से चुनाव लड़ेंगी। बंसीलाल की पोती और किरण चौधरी की बेटी श्रुति चौधरी को तोशाम से टिकट दिया गया है।

JJP से BJP में आए 3 नेताओं को टिकट

भाजपा ने जननायक जनता पार्टी को छोड़कर पार्टी में आने वाले तीन नेताओं को भी टिकट दिया है। इनमें देवेन्द्र सिंह बबली को फतेहाबाद के टोहाना विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में उतारा गया है। उनके अलावा अनूप धानक को उकलाना से प्रत्याशी बनाया गया है। सुनील सांगवान को दादरी से मैदान में उतारा गया है।

विवादों से घिरे थे पूर्व मंत्री संदीप सिंह

यौन शोषण के आरोपों में घिरे हरियाणा के पूर्व मंत्री संदीप सिंह का टिकट पार्टी ने काट दिया है। संदीप सिंह कुरुक्षेत्र के पिहोवा विधानसभा से विधायक थे। पार्टी ने उनकी जगह कमलजीत सिंह को उतारा है। खास बात यह है कि संदीप सिंह और कमलजीत सिंह दोनों ही सिख चेहरा हैं। सोहना के विधायक और नायब सिंह सैनी सरकार में खेल मंत्री संजय सिंह और बिजली मंत्री रणजीत सिंह चौटाला का टिकट पार्टी ने काट दिया है।

ऐसे तय हुए नाम

ज्ञात रहे कि उम्मीदवारों की सूची को लेकर दिल्ली में बुधवार को भी अहम बैठक हुई। केंद्रीय चुनाव समिति की मीटिंग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुझाव और मशवरे के बाद यह सूची आई।

कांग्रेस: 66 सीटों पर हुई सहमति... 24 सीटों पर आमराय की कोशिश

एजेंसी | नई दिल्ली

कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की सूची को अंतिम रूप देने में जुटा है। पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने की सोमवार व मंगलवार को दो दिन हुई बैठक में विधानसभा की सभी 90 सीटों में से 66 पर प्रत्याशियों के नाम तय कर लिए हैं।

लेकिन शेष 24 सीटों पर कोई सहमति नहीं बन सकी। पार्टी नेता इन सीटों पर सहमति बनाने का प्रयास कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार पार्टी पदाधिकारी राहुल गांधी के निर्देश का पालन करने की कोशिश कर रहे हैं। उनका कहना है कि राज्य के लिए सभी टिकटों को सर्वसम्मति से मंजूरी दी जानी चाहिए। लेकिन राज्य में पार्टी के तीन दिग्गज नेता पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, लोकसभा सांसद कुमारी शैलजा और राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला अपने-अपने उम्मीदवारों के नामों पर जोर दे रहे हैं। पार्टी नेता 5 अक्टूबर को होने वाले चुनाव के लिए एकजुट टीम उतारने की पहल में जुटे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की मौजूदगी में हुई बैठक में सोमवार को 49 और मंगलवार को बाकी 41 सीटों पर विचार-विमर्श हुआ।

हरियाणा के एआईसीसी प्रभारी दीपक बाबरिया ने बताया कि केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के के दो दौर हो गए हैं और 90 सीटों में से 66 सीटों को अंतिम रूप दिया गया है। शेष सीटों को एक समीक्षा समिति को भेजा गया है, जो जल्द ही मामले को सुलझा लेगी। सूत्रों के अनुसार 2 और 3 सितंबर को सीईसी की बैठक से पहले, एआईसीसी कोषाध्यक्ष अजय माकन की अध्यक्षता वाली स्क्रीनिंग कमेटी ने क्षेत्रीय नेताओं के साथ कई दौर की बातचीत की। हालांकि वे एक सहमति वाली सूची पर नहीं पहुंच सके, जिसे केंद्रीय चुनाव समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जा सके।

हुड्डा, शैलजा व सुरजेवाला से एक-एक कर होगी बात

बाबरिया ने कहा कि कांग्रेस राज्य में एकजुट है और अगली सरकार बनाएगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, स्क्रीनिंग पैनल के प्रमुख अजय माकन, राज्य प्रभारी बाबरिया और वरिष्ठ नेता मधुसूदन मिस्त्री अब 5 सितंबर को तीन नेताओं हुड्डा, शैलजा और सुरजेवाला से एक-एक करके बात करेंगे। ताकि उनके बीच मतभेदों को दूर किया जा सके और शेष सीटों पर आम सहमति बनाई जा सके।

गठबंधन हुआ तो कुछ सीटें छोड़ना संभव

पार्टी सूत्रों ने बताया कि अगर सीट बंटवारे पर औपचारिक सहमति बन जाती है तो पार्टी पदाधिकारी सहयोगी आप और सपा के लिए कुछ सीटें छोड़ सकते हैं।

राजीव से ज्यादा बुद्धिमान राहुल, PM बनने के सभी गुण

नई दिल्ली। गांधी परिवार के करीबी और इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी तारीफ करते हुए कहा है कि वह अपने पिता राजीव गांधी से ज्यादा बुद्धिमान हैं और रणनीति बनाने के मामले में भी उनसे बेहतर हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी भारत की अवधारणा के संरक्षक हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार पित्रोदा ने कहा कि राहुल गांधी में प्रधानमंत्री बनने के सारे गुण हैं। उन्होंने भाजपा की उन टिप्पणियों को गलत बताया जिनमें राहुल की विदेश यात्रा के दौरान भारत का नाम खराब करने का आरोप लगाया गया था।

राहुल की गलत छवि बनाई गई

पित्रोदो ने यह भी कहा कि राहुल गांधी की गलत छवि बनाई गई। इसके लिए करोड़ों रुपए खर्च किए गए। उन्हें बदनाम किया गया। मैं राहुल गांधी को श्रेय देता हूं कि उन्होंने लंबे समय तक खड़े होकर इसके खिलाफ लड़ाई लड़ी और बच गए। उनकी जगह कोई और होता तो बच नहीं पाता। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी और राहुल गांधी के बीच समानताओं और भिन्नताओं के बारे में पूछे जाने पर पित्रोदा ने कहा कि उन्होंने राजीव गांधी, पीवी नरसिम्हा राव, मनमोहन सिंह, वीपी सिंह, चंद्रशेखर और एचडी देवेगौड़ा जैसे कई प्रधानमंत्रियों के साथ मिलकर काम किया है। लेकिन राहुल और राजीव के बीच शायद यही अंतर है कि राहुल कहीं अधिक बौद्धिक, विचारक हैं, जबकि राजीव थोड़े अधिक कर्मशील थे। पित्रोदा ने राहुल की तारीफ में आगे कहा कि वे अलग-अलग समय, अलग-अलग साधनों, अलग-अलग अनुभवों की उपज हैं। राहुल को जीवन में दो बड़े झटके लगे हैं, एक तो उनकी दादी की मृत्यु और दूसरा उनके पिता की। इसलिए उनके पास यात्रा करने के लिए अलग-अलग रास्ते हैं। राहुल और राजीव दोनों ही भारत के विचार के संरक्षक हैं, जिसे कांग्रेस पार्टी ने सामने रखा था और पार्टी का हर नेता इस पर विश्वास करता है।

विनेश फोगाट व बजरंग की राहुल से भेंट, दोनों लड़ सकते हैं चुनाव

एजेंसी | चंडीगढ़/ नई दिल्ली

हरियणा विधानसभा चुनाव में इस बार कई खिलाड़ी भी चुनाव मैदान में नजर आ सकते हैं। पहलवान बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट ने बुधवार को कांग्रेस के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। इसके अलावा पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल से भी दोनों की लंबी बात हुई है। इसके बाद से दोनों के कांग्रेस की ओर से चुनाव लड़ने के कयास तेज हो गए हैं। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि

पार्टी दोनों को चुनाव में उतारने का मन बना चुकी है। दोनों खेल कोटे पर सरकारी नौकरियों में हैं, जिनसे वे इस्तीफे दे सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा खेमा भी दोनों खिलाड़ियों को चुनाव में उतारने के लिए तैयार है। विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया के साथ राहुल गांधी के मुलाकात की तस्वीर कांग्रेस ने बुधवार को ही शेयर की थी। इसके बाद दोनों केसी वेणुगोपाल से मिलने पहुंचे। विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक ने महिला पहलवानों के यौन शोषण को लेकर भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष ब्रजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आंदोलन किया था। फिलहाल ब्रजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दिल्ली की अदालत में मामला चल रहा है।

जजपा और आसपा के 19 प्रत्याशी घोषित

पंचकूला। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए जननायक जनता पार्टी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने बुधवार को प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी है। इस सूची में 19 नामों को मंजूरी दी गई है। इसमें आजाद समाज पार्टी के 4 तथा जजपा के 15 प्रत्याशियों के नाम शामिल हैं। जजपा नेता व पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला उचाना विधानसभा सीट से जबकि दिग्विजय चौटाला डबवाली विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। ज्ञात हो कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) और जननायक जनता पार्टी ने गठबंधन किया था। राज्य 90 विधानसभा सीटों में जजपा 70 और आसपा 20 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

J&K: कांग्रेस ने चुनावी शंख फूंका: पीएम मोदी पर साधा निशाना

उन्होंने छीना, पर हम करेंगे जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल: राहुल

एजेंसी | श्रीनगर

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने अपना चुनाव अभियान बुधवार को पार्टी के पूर्व अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की चुनाव सभा से की। राहुल गांधी ने रामबान जिले के गुल सिंगल दान में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी पर एक बार फिर तीखा हमला बोला और लोगों को आश्वासन दिया कि उनकी पार्टी इंडिया ब्लॉक के सहयोगियों की मदद से केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को फिर राज्य का दर्जा दिलाएगी।

राहुल गांधी ने कहा कि हम इस जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस दिलाना सुनिश्चित करेंगे, भले ही भाजपा चाहे या नहीं। उन्होंने कहा कि कहा कि देश में दो विचारधाराओं के बीच लड़ाई है । एक तरफ भाजपा और आरएसएस के लोग नफरत फैला रहे हैं तो दूसरी तरफ हम मोहब्बत, सम्मान और इज्जत की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि हम लोगों को जोड़ते हैं और वह लोगों को तोड़ते हैं। नफरत का जवाब नफरत से नहीं दिया जा सकता, नफरत का जवाब मोहब्बत से ही दिया जा सकता है।

पीएम मोदी का आत्मविश्वास हो गया गायब

राहुल गांधी ने कहा कि पहले पीएम नरेंद्र मोदी सीना फैला कर आते थे, अब ऐसा नहीं है। पहले बड़े-बड़े भाषण देते थे। अब संसद में जाने से पहले संविधान को सिर पर रखा और फिर अंदर गए अब उनका आत्मविश्वास गायब हो गया है। उन्होंने (पीएम मोदी) पहले कहा था कि जाति जनगणना नहीं होगी। अब आरएसएस के लोग कह रहे हैं कि यह सही बात है। पहले उन्होंने कहा कि लेटरल एंट्री से बाहर के लोगों को सरकार में लाएंगे। थोड़ा सा दबाव डाला तो भाजपा बोली ऐसा नहीं होगा। आप यह समझ लीजिए कि नरेंद्र मोदी अब देश की जनता से डरते हैं। उन्होंने कहा कि थोड़ा ही समय बचा है और हम नरेंद्र मोदी एवं भाजपा को सत्ता से हटा देंगे।

पहली बार किसी राज्य से उसका दर्जा छीना गया

राहुल ने कहा कि इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ कि एक राज्य से उसका दर्जा छीन लिया गया और केंद्र शासित प्रदेश बना दिया। हमने तय किया है कि सबसे पहले जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देना है। आपका धन छीना जा रहा है। आपकी जमीन छीनी जा रही है। सारे ठेके बाहर के लोगों को मिल रहे हैं। हमने मांग की थी कि चुनाव से पहले राज्य का दर्जा बहाल किया जाए लेकिन भाजपा नहीं मानी, वह पहले चुनाव करवा रही है लेकिन हम जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करवा कर रहेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि जम्मू कश्मीर में बिजली के प्रोजेक्ट चल रहे हैं, लेकिन इसका फायदा यहां के लोगों को नहीं मिल रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश में बेरोजगारी फैला रहे हैं।

'हम दो और हमारे दो' के फॉर्मूले चल रही है सरकार

राहुल गांधी ने कहा कि पता नहीं आपने अडाणी का नाम सुना है या नहीं। संसद में मुझे कहा गया कि मैं अडाणी और अंबानी का नाम नहीं ले सकता। मैंने कहा कि नाम नहीं ले सकता तो कुछ तो नाम उनको देना पड़ेगा। मैंने A1 और A2 लिख दिया। 'हम दो और हमारे दो' के फार्मूले के तहत मोदी-अमित शाह और अंबानी-अडाणी सरकार चला रहे हैं। आपसे राज्य का दर्जा छीनने का मकसद भी उन दो लोगों को ही फायदा देना है। ये सबको दबाकर रखते हैं। जो हालत देश में है, उससे खराब स्थिति जम्मू-कश्मीर में है। यह मानकर चलो कि यहां कांग्रेस गठबंधन की सरकार आ रही है।

जरूरी खबर

RG कर कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल घोष पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष ने कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपे जाने को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। घोष ने 27 अगस्त को अपनी याचिका दायर की थी, जिस पर सुप्रीम कोर्ट में 6 सितंबर को सुनवाई होनी है। हालांकि, सुनवाई से पहले, उन्हें भ्रष्टाचार के मामले में 2 सितंबर को सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया था। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने यह याचिका सूचीबद्ध की गई है और छह सितंबर को सुनवाई हो सकती है। घोष की गिरफ्तारी 9 अगस्त को अस्पताल में 31 वर्षीय डॉक्टर के साथ हुए बलात्कार और हत्या के मामले के बाद सामने आए कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में हुई है।

देश के किसी भी बैंक से ले सकेंगे EPFO पेंशन

नई दिल्ली। श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को कहा कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की पेंशन योजना के दायरे में आने वाले पेंशनधारक जनवरी से किसी भी बैंक या उसकी शाखा से पेंशन ले सकेंगे। श्रम मंत्रालय ने बयान में कहा कि मांडविया ने कर्मचारी पेंशन योजना 1995 के लिए एक केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। वह ईपीएफओ के शीर्ष निर्णय लेने वाले निकाय केंद्रीय न्यासी बोर्ड के चेयरपर्सन भी हैं। केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली से ईपीएफओ के 78 लाख से अधिक ईपीएस-95 पेंशनधारकों को लाभ होने की उम्मीद है।

अयोग्य ठहराए गए विधायकों को नहीं मिलेगी पेंशन

शिमला। हिमाचल प्रदेश में चौदहवीं विधानसभा से अयोग्य करार दिए गए छह विधायक पेंशन के लाभ से वंचित होंगे। बुधवार को प्रदेश विधानसभा ने सदस्यों के भत्ते व पेंशन संशोधन विधेयक-2024 को ध्वनिमत से पारित कर दिया। विधेयक पर हुई चर्चा के दौरान जहां कुछ सदस्यों ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से विधेयक को सदन की प्रवर समिति को भेजने का आग्रह किया। जबकि कुछ सदस्यों ने संशोधन विधेयक को वापस लेने का मामला उठाया। मुख्यमंत्री सुक्खू संशोधन विधेयक को लेकर अडिग रहे और संशोधन विधेयक ध्वनिमत से पारित हो गया।

पूजा का दिव्यांगता सर्टिफिकेट फर्जी: पुलिस

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस का कहना है कि पूर्व आईएएस ट्रेनी पूजा खेडकर ने खुद को कई दिव्यांगता से ग्रसित बताने के लिए जो प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए थे, उनमें से एक सर्टिफिकेट नकली हो सकता है। पुलिस ने दिल्ली हाई कोर्ट में खेडकर की अग्रिम जमानत याचिका का विरोध करते हुए अपनी स्टेटस रिपोर्ट में यह बात कही। इस मामले की सुनवाई 5 सितंबर को होनी है। पुलिस ने कोर्ट को बताया कि खेडकर ने सिविल सेवा परीक्षा 2022 और सिविल सेवा परीक्षा 2023 के लिए दो अलग-अलग दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए थे।

सिंगापुर में भव्य स्वागत... पीएम मोदी ने बजाया ढोल... महिला ने बांधी राखी

सिंगापुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ब्रुनेई की यात्रा के बाद बुधवार को दो दिवसीय दौरे पर सिंगापुर पहुंचने पर वहां के प्रधानमंत्री लॉरेंस वॉन्ग ने बेहद गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। वहीं, भारतीय समुदाय के लोगों ने भी पीएम मोदी का भव्य स्वागत किया। पीएम मोदी के स्वागत में आए कलाकारों ने ढोल की धुन पर नृत्य किया। एक महिला ने मोदी को राखी भी बांधी।

पीएम मोदी की ब्रुनेई के सुल्तान के साथ कई अहम मसलों पर चर्चा

ब्रुनेई से बढ़ेगी दोस्ती...चीन को संदेश विस्तारवाद नहीं विकास को समर्थन

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत एवं ब्रुनेई दारुस्सलाम ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को उन्नत साझीदारी के स्तर तक ले जाने पर सहमति जताई है। इसके साथ ही दोनों देश रक्षा, व्यापार और निवेश, खाद्य सुरक्षा, शिक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, क्षमता निर्माण, संस्कृति के साथ-साथ लोगों से लोगों के आदान-प्रदान तथा नई और उभरती प्रौद्योगिकियों और नवीकरणीय ऊर्जा में सहयोग बढ़ाने के लिए सहमति जताई है। यह सहमति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्रुनेई के सुल्तान सुलतान हाजी हसनल बोल्किया के साथ मुलाकात के दौरान बनी। दोनों देशों ने रक्षा और समुद्री क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की भी घोषणा की है। वहीं पीएम मोदी ने इशारों-इशारों में चीन को कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भारत विस्तारवाद की नहीं, विकास की नीति का समर्थन करता है। हालांकि उन्होंने किसी देश का नाम नहीं लिया। ज्ञात रहे कि ब्रुनेई दक्षिण चीन सागर के दक्षिण में स्थित है, जिस पर लगभग पूरी तरह से बीजिंग का दावा है। इससे पहले पीएम मोदी के सुल्तान हाजी हसनल बोलकिया के महल में पहुंचने पर सुल्तान ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। सुल्तान ने प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान में दोपहर के भोज का आयोजन किया। सुल्तान बोल्किया से मुलाकात के बाद पीएम मोदी दो दिवसीय यात्रा पर सिंगापुर रवाना हो गए। पीएम मोदी ने सुल्तान से मुलाकात के दौरान कहा कि राजनयिक संबंधों के 40 साल पूरे होने का जश्न मना रहे दोनों देशों के बीच दोस्ती का आधार महान सांस्कृतिक परंपरा है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि भारत की एक्ट ईस्ट नीति और हिंद-प्रशांत विजन में ब्रुनेई एक महत्वपूर्ण भागीदार है, जो हमारे लिए उज्ज्वल भविष्य की गारंटी है। हम एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करते हैं।

सिंगापुर पहुंचे पीएम मोदी, खास है दौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रुनेई के दौरे के बाद बुधवार को सिंगापुर की दो दिवसीय यात्रा पर पहुंचे हैं। पीएम मोदी सिंगापुर के अपने समकक्ष लॉरेंस वोंग के निमंत्रण पर यहां पहुंचे हैं, जो इस दक्षिण-पूर्व एशियाई देश की उनकी पांचवीं आधिकारिक यात्रा है। पीएम मोदी सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग से मुलाकात करेंगे। इसके साथ ही वह राष्ट्रपति थर्मन शणमुगरत्नम व अन्य कई नेताओं से भी मिलेंगे।

ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति

पीएम मोदी और सुल्तान बोल्किया के बीच हुई वार्ता में एलएनजी और रिनीवेबल इनर्जी को लेकर खास तौर पर सहमति बनी है। ब्रुनेई अभी भारत को कच्चे तेल का निर्यात करता है। अब दोनों देश दूसरे ऊर्जा क्षेत्र में भी अपने संबंधों को बढ़ाना चाहते हैं। पीएम मोदी ने स्वयं बताया कि दोनों देश एलएनजी (द्रवीकृत प्राकृतिक गैस) में लंबे समय के समझौतों पर बात कर रहे हैं। भारत अपनी अर्थव्यवस्था में गैस की मौजूदा हिस्सेदारी 7 फीसदी से बढाकर 15 फीसदी करने की कोशिश कर रहा है।

सुप्रीम कोर्ट की सीएम धामी को नसीहत

यह सामंती युग नहीं... मंत्री या अन्य की राय की अनदेखी क्यों!

एजेंसी । नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि सरकार के प्रमुखों से 'पुराने जमाने के राजा' होने की उम्मीद नहीं की जा सकती और हम 'सामंती युग' में नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से सवाल किया कि उन्होंने राज्य के वन मंत्री और अन्य की लोगों राय की अनदेखी करते हुए एक भारतीय वन सेवा अधिकारी को राजाजी टाइगर रिजर्व का निदेशक कैसे नियुक्त किया। हालांकि, राज्य सरकार ने न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ को बताया कि भारतीय वन सेवा अधिकारी को टाइगर रिजर्व का निदेशक नियुक्त करने का आदेश 3 सितंबर को वापस ले लिया गया था। पीठ आईएफएस अधिकारी राहुल को निदेशक नियुक्त किए जाने से संबंधित मामले की सुनवाई कर रही थी

राजा होने की उम्मीद नहीं कर सकते

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रथम अधिकारी की ओर से एक विशेष टिप्पणी थी, जिसका उप सचिव, प्रमुख सचिव और राज्य के वन मंत्री ने भी समर्थन किया था कि आईएफएस अधिकारी राहुल को राजाजी टाइगर रिजर्व के निदेशक के रूप में नियुक्त नहीं किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, इस देश में सार्वजनिक विश्वास सिद्धांत जैसा कुछ है। कार्यपालिका के प्रमुखों से पुराने दिनों के राजा होने की उम्मीद नहीं की जा सकती कि वे जो भी कहेंगे, वही करेंगे। हम सामंती युग में नहीं हैं।

कोलकाता में महिला डॉक्टर से रेप व हत्या का मामला

बंगाल में लोगों ने 'बत्ती बुझा' कर किया प्रदर्शन

एजेंसी । कोलकाता

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले को लेकर बुधवार को लोगों ने बंगाल की सड़कों पर अलग-अलग क्षेत्रों में बत्तियां बुझा कर प्रदर्शन किया। दूसरी तरफ अब प्रदर्शनों में पहली बार मृतक डॉक्टर के माता-पिता ने भी हिस्सा लिया है। मृतका के पिता ने बुधवार को कहा कि हमें इन प्रदर्शनों में हिस्सा लेना ही होगा। आखिर हम और कर भी क्या सकते हैं? चीजें बहुत धीरे-धीरे हो रही हैं। हम इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते। हमारे बहुत सारे सवाल हैं और हम सब कुछ पुलिस से पूछेंगे। इस घटना पर सैकड़ों की संख्या में आम लोगों ने सड़कों पर बत्ती बुझा कर प्रदर्शन किया। खासकर कोलकाता में आरजी कर मेडिकल कॉलेज से लेकर श्याम बाजार और विक्टोरिया मेमोरियल तक की बत्तियां बंद कर प्रदर्शन किया गया। रात नौ बजे शुरू हुए इस प्रदर्शन के दौरान लोगों ने मोमबत्तियां और मोबाइल के फ्लैश लाइट के सहारे जुलूस निकाले।

राज्यपाल बोस-भाजपा भी बनी प्रदर्शनों का हिस्सा

बंगाल सरकार के खिलाफ इन प्रदर्शनों को राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने भी समर्थन दिया। ठीक नौ बजे राजभवन की बत्तियां भी बुझा दी गईं। राजभवन की तरफ से इससे जुड़ी एक तस्वीर भी साझा की गई है, जिसमें राज्यपाल को बत्ती बुझा कर सिर्फ एक मोमबत्ती के सामने बैठे देखा जा सकता है। दूसरी तरफ इस आंदोलन में भाजपा भी शामिल हुई।

सहारा समूह बताए, कैसे जुटाएगा 10 हजार करोड़ रुपए : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सहारा समूह से कहा कि वह अपने शीर्ष अधिकारियों और मौजूदा शेयरधारकों के बारे में जानकारी देने के साथ ही उन संपत्तियों की सूची भी उपलब्ध कराए, जिन्हें बेचकर 10 हजार करोड़ रुपए जुटाए जा सकते हैं। निवेशकों का पैसा लौटाने के लिए यह राशि सेबी-सहारा रिफंड खाते में जमा कराई जानी है।

शीर्ष अदालत ने 31 अगस्त, 2012 को सहारा समूह की कंपनियों-सहारा इंडिया रियल एस्टेट कॉरपोरेशन लिमिटेड और सहारा हाउसिंग इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड को निर्देश दिया था कि वे निवेशकों से एकत्र की गई राशि को तीन महीने के भीतर 15 प्रतिशत प्रति वर्ष ब्याज के साथ सेबी को वापस करें।

जस्टिस संजीव खन्ना, एमएम सुंदरेश और बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने कहा कि निवेशकों का पैसा लौटाने के लिए न्यायालय को कोई व्यावहारिक समाधान निकालना होगा, क्योंकि यह मामला एक दशक से अधिक समय से लंबित है।

ग्रुप की तरफ से पेश हुए वकील सिब्बल

जस्टिस खन्ना ने कहा कि सहारा समूह की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने बताया कि कंपनी शेष राशि जमा करने के लिए कार्ययोजना प्रस्तुत करेगी। सेबी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार ने कहा कि 2023 में सुब्रत राय के निधन के बाद कोई नहीं जानता कि कंपनी का नेतृत्व कौन करेगा और अदालत के आदेश के अनुपालन में वह पैसा कैसे जमा करेगी।

त्रिपुरा में खुली शांति की राह

शांति समझौते पर मुहर... 328 उग्रवादी करेंगे समर्पण

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में बुधवार को केंद्र सरकार, त्रिपुरा सरकार और नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) और ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (एटीटीएफ) के प्रतिनिधियों ने एकसाथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा और गृह मंत्रालय और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह समझौता पूर्वोत्तर के लिए 12वां और त्रिपुरा से संबंधित तीसरा समझौता है।

अमित शाह ने बताया कि अब तक लगभग 10 हजार उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है और अपने हथियार डाल दिए हैं। इसके साथ वह अब मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं। बुधवार को एनएलएफटी और एटीटीएफ के आत्मसमर्पण और समझौते के साथ ही लगभग 328 से अधिक सशस्त्र कैडर मुख्यधारा में शामिल हो जाएंगे।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए गृह मंत्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में शांति और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर में हस्ताक्षरित सभी शांति समझौतों को सरकार द्वारा लागू किया गया है।

पूर्वोत्तर को विकास पैकेज लागू

गृह मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा घोषित 2500 करोड़ रुपए के विकास पैकेज को पूर्वोत्तर में लागू किया गया है। शाह ने कहा कि गृह मंत्रालय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उग्रवाद, हिंसा और संघर्ष से मुक्त विकसित पूर्वोत्तर के सपने को पूरा करने के लिए प्रयास कर रहा है।

12 महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर

गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में शांति और समृद्धि लाने के लिए 12 महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें से तीन त्रिपुरा से संबंधित हैं। उन्होंने कहा कि इन समझौतों के कारण करीब 10000 लोग हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हुए हैं।

गैर कानूनी संगठन घोषित थे एनएलएफटी और एटीटीएफ

नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) और ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (एटीटीएफ) एक उग्रवादी संगठन है। केंद्र सरकार ने 1997 में एनएलएफटी और एटीटीएफ को गैरकानूनी घोषित करते हुए प्रतिबंध लगा दिया था। वर्ष 2019 में इन संगठनों पर प्रतिबंध को 5 के लिए बढ़ाया गया और फिर पिछले साल 2023 में इसपर लगा प्रतिबंध फिर से बढ़ाया गया था। यह दोनों संगठन हिंसक गतिविधियों में शामिल रहे हैं और यह लोगों के बीच आतंक और हिंसा फैला रहे हैं, इसलिए इनपर प्रतिबंध लगाया गया है।

MCD: वार्ड समिति के चुनाव में BJP का पलड़ा भारी

नई दिल्ली। एमसीडी की वार्ड समितियों के चुनाव में बुधवार को भाजपा का पलड़ा भारी रहा। 12 वार्ड समितियों में से भाजपा सात पर कब्जा करने में कामयाब रही, जबकि आम आदमी पार्टी के खाते में पांच समितियां आईं। सबसे रोचक मुकाबला दक्षिणी वार्ड समिति में दिखा। इस वार्ड समिति के अध्यक्ष पद का मुकाबला बराबरी पर रहा। इसके बाद ड्रॉ में समिति आप के हिस्से में चली गई। वहीं, चार वार्ड समितियों के चुनाव की नौबत नहीं आई। इसमें से तीन पर आप और एक पर भाजपा की जीत हासिल हुई, जबकि आठ वार्ड समितियों में हार-जीत का फैसला मतदान से हुआ। इनमें से छह पर भाजपा ने कब्जा किया।

राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में किया नर्सेज शिक्षकों का सम्मान

'कृष्णम् वन्दे जगत गुरुम' श्रीकृष्ण ने भी गुरु भाव से ही कही थी गीता

■ सच बेधड़क के फाउंडर और एडिटर इन चीफ विनायक शर्मा ने महाभारत और रामायण के माध्यम से युवा पीढ़ी को समझाई गुरु शिष्य परंपरा

बेधड़क | जयपुर

'भारत की गुरु शिष्य परंपरा सदियों से चली आ रही है और आगे भी युवाओं को इस परंपरा को निभाना है। इसके लिए शिष्य को हमेशा गुरु का सम्मान करना होगा।' यह बात सच बेधड़क के फाउंडर और एडिटर इन चीफ विनायक शर्मा ने प्राइवेट नर्सेज एसोसिएशन राजस्थान द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय नर्सेज शिक्षक सम्मान समारोह में बतौर अतिथि कही। शर्मा ने कहा कि भारत की गुरु शिष्य परंपरा सदियों से चली आ रही है और आगे भी युवाओं को इस परंपरा को निभाना है। इसके लिए शिष्य को हमेशा गुरु का सम्मान करना होगा। शर्मा ने महाभारत और रामायण के माध्यम से भी युवा पीढ़ी को गुरु शिष्य परंपरा को समझाया। साथ ही उन्होंने आज के मॉडर्न और सोशल मीडिया युग में किस तरह से युवाओं का धैर्य कम हुआ है इस पर भी विचार रखे। उन्होंने कहा कि बिना गुरु के आशीर्वाद से सफल नहीं हो सकते, इसलिए गुरु की बात पर गुस्सा नहीं होना चाहिए बल्कि गुरु कठोर इसलिए होता है कि इससे शिष्य का भविष्य बेहतर बने। कार्यक्रम में प्रदेश भर के 55 नर्सेज शिक्षकों को सच बेधड़क फाउंडर विनायक शर्मा, आरयूएचएस डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. आलोक शर्मा, एसएमएस हॉस्पिटल के हेड ऑफ डिपार्टमेंट न्यूरोसर्जरी डॉक्टर मनीष अग्रवाल एवं अतिरिक्त अधीक्षक गिरधर गोयल समेत वरिष्ठ डॉक्टरों और अतिथियों ने सम्मानित किया।

सीपीआर देकर जान बचाना सिखाया

इस मौके पर नर्सेज शिक्षक सम्मान समारोह के साथ ही बेसिक लाइफ सपोर्ट ट्रोमा केयर मैनेजमेंट फॉर नर्सेज विषय पर नेशनल कॉन्फ्रेंस का भी आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि आयुक्त परिवहन एव सड़क सुरक्षा विभाग मनीषा अरोड़ा ने बताया कि आज ट्रोमा सेंटर में सत्तर प्रतिशत केस रोड एक्सीडेंट के होते हैं, जिन्हें घटना स्थल पर ही यदि मदद मिल जाए तो बचाया जा सकता है। बेसिक लाइफ सपोर्ट मास्टर ट्रेनर राजकुमार राजपाल एवं राधेलाल शर्मा ने 400 प्रतिभागियों को सड़क दुर्घटना या हार्ट अटैक आने पर एक आम नागरिक हॉस्पिटल पहुंचने से पहले किस प्रकार सीपीआर देकर जान बचाए, प्रेक्टिकल के साथ समझाया।

नर्सेज करती हैं सही मायने में 'नर सेवा-नारायण सेवा'

कार्यक्रम स्योजक राजेंद्र शर्मा, प्रेसिडेंट प्राइवेट नर्सेज एसोसिएशन ने बताया हॉस्पिटल में नर्सेज डॉक्टर के साथ मिलकर मरीजों की जान बचाने का कार्य करते हैं। नर सेवा नारायण सेवा नर्सेज सही मायने में करती हैं। नर्सेज शिक्षकों के द्वारा अच्छे से पढ़ाया हुआ नर्सिंग ऑफिसर जब हॉस्पिटल में कार्य करता है तो बहुत से लोगों की जान बचती है। सम्मान समारोह एवं कार्यशाला में अपर आयुक्त निधि सिंह, नोडल ऑफिसर डॉ. एलएन पांडे, परिवहन विभाग सुनीता मिश्रा, विजेंद्र गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

'एक पेड़ मां के नाम' लगाया

दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित किए

जयपुर। समग्र क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी) की ओर से बुधवार को एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में दृष्टिबाधित व्यक्तियों (दिव्यांगजन) के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय संस्थान (एनआईईपीवीडी) के निदेशक मनीष वर्मा, सीआरसी जयपुर के निदेशक कुमार राजू और अन्य सीआरसी अधिकारी भी उपस्थित थे। इस मौके पर दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के सचिव राजेश अग्रवाल ने पौधारोपण किया। राजेश अग्रवाल ने राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर समीक्षा की। राजस्थान में दिव्यांगजनों के लिए कार्यक्रम और पर्याप्त संख्या में जिलों की स्थापना की संभावना पर विचार विमर्श किया। वृक्षारोपण अभियान के बाद, राजेश अग्रवाल ने 14 दिव्यांगजनों को विभिन्न सहायक उपकरण मोटर चालित व्हीलचेयर, स्मार्टफोन, लंबर ब्रेसेस, स्पाइनल ब्रेसेस, श्रवण यंत्र, ट्राइसाइकिल और अन्य सहायक उपकरण वितरित किए। राजेश अग्रवाल ने समुदाय-आधारित पुनर्वास का उपयोग करके दिव्यांगजनों के लिए एक योजना सर्वेक्षण का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम के तहत पांच 'दिव्यांग मित्र' दो गांवों (सुमेल और रूपा का नांगल) और तीन झुग्गी बस्तियों (मीना पालड़ी, नाई की थड़ी और ईदगाह एरिया) में लगे हुए हैं। राजेश अग्रवाल ने दिव्यांग मित्रों से बातचीत की और लाभार्थियों को समय पर और गुणवत्ता-सुनिश्चित तरीके से सरकारी योजनाओं से जोड़ने पर बल दिया।

टांक ने पूरा किया 100 DRC

जयपुर। एक दिन में 25 किलोमीटर दौड़े और 100 दिन में 2537 किलोमीटर दौड़ लगाई। इस तरह वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर विष्णु टांक ने 100 दिन के रन चैलेंज को पूरा किया। जयपुर में प्रथम रेंक और इंडिया में 12 नंबर पर रहे टांक इस तरह की कई मैराथन में भाग ले चुके हे। टांक ने कहा 100 किलोमीटर रन इनकी आखरी दौड़ थी। अब वह रन में भाग तो लेंगे, लेकिन चैलेंज में पार्ट नहीं करेंगे। लोगो को दौड़ के प्रति जागरूक करेंगे। अगला लक्ष्य अब सिर्फ मैराथन पर होगा। सिर्फ मैराथन में भाग लेंगे।

City इवेंट्स

कलश यात्रा निकाली, आज होगी रामदेवजी मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा

जयपुर। खातीपुरा बुनकर कॉलोनी स्थित प्राचीन बाबा रामदेवजी महाराज मंदिर के जीर्णोद्धार के बाद नवीन मंदिर में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के दो दिवसीय समारोह का आरंभ बुधवार को कलश यात्रा के साथ हुआ।

ऑफिसर्स कैम्पस स्थित पवन वाटिका हनुमान मंदिर से कलश निकली कलश यात्रा में 251 महिलाओं ने कलश धारण किए। कलश यात्रा में बाबा रामदेवजी महाराज की नवीन मूर्ति को झांकी के रूप में सजाकर लाया गया। इस अवसर पर डीजे की धुनों पर बाबा के भक्तों ने खूब नृत्य किया। कलश यात्रा मुख्य खातीपुरा तिराहा होते हुए बाबा के मंदिर पहुंची। रात्रि में आयोजित भजन संध्या में भजन गायकों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। समारोह के दूसरे दिन आज गुरुवार को पूरे विधि विधान से बाबा रामदेवजी महाराज की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा होगी।कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक व उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी सहित कई गणमान्य लोग भाग लेंगे। शाम को भंडारा प्रसादी होगी।

13 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी राजस्थानी फिल्म करवाचौथ

जयपुर। रमेश गुणावत, रितु कांवट स्टारर राजस्थानी फिल्म करवा चौथ 13 सितंबर को रिलीज होगी। इस मूवी के निर्माता सीताराम एस कुमावत हैं और निर्देशन किया है रमेश गुणावत और योगेंद्र शर्मा ने। अभिनेता और डायरेक्टर रमेश गुणावत ने बताया कि शुरुआत में करवा चौथ को टोंक, सवाई माधोपुर और कोटा में रिलीज कर रहे हैं। टोंक और सवाईमाधोपुर में सिनेमाघर फाइनल कर लिए गए हैं। फिल्म टोंक में एंजेल किरण टॉकीज में लगा रहे हैं। सवाई माधोपुर में यह प्रेम मंदिर में दिखाई जाएगी। कोटा में सिनेमाघर अभी फाइनल नहीं हुआ है, जल्द ही करने के प्रयासों में लगे हैं। फिल्म में रमेश गुणावत और रितु कांवट के साथ ही राम मीना, रामवीर साहिल,आशीष खाम्बे, राकेश बाबू, प्रियंका खण्डेकर महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

अभि बेस्ट एंकर और पवन को बेस्ट डांस ग्रुप अवॉर्ड

कार्य में निरंतरता और संघर्ष का परिणाम हमेशा सुखद आता है

बेधड़क | जयपुर

कार्य में निरंतरता और संघर्ष का परिणाम हमेशा सुखद ही होता है। यह बात गुलाबी नगरी में हुए फैडरेशन ऑफ राजस्थान इवेंट मैनेजर्स (फोरम) के इवेंटस्थान में देखने को मिली, जब अपनी मेहनत के बल पर आगे बढ़ने वालों को उनके संघर्ष के इनाम के रूप में श्रेष्ठता अवॉर्ड दिए गए। इवेंटस्थान कार्यक्रम के दौरान कोरियोग्राफर पवन कुमार के मैजिशियन डांस ग्रुप को बेस्ट डांस ट्रूप का अवॉर्ड मिला। वहीं, एंकर अभि को बेस्ट एंकर (मेल) अवॉर्ड से नवाजा गया। इवेंटस्थान की अवॉर्ड सेरेमनी में इवेंट सेक्टर में उल्लेखनीय योगदान करने वाले लगभग 100 इवेंट मैनेजर्स को फोरम अवॉर्डस से सम्मानित भी किया गया। कोरियोग्राफर पवन कुमार 24 वर्षों से साल से इवेंट इंडस्ट्री में काम कर रहे। कई सेलेब्रिटीज के साथ मंच साझा कर चुके हैं। इन्होंने कई युवा कलाकारों को मंच देकर रोजगार प्रदान किया। इससे पहले भी कई अवॉर्ड्स मिल चुके हैं। एंकर अभि ने बताया कि इवेंटस्थान में अवॉर्ड मिलना खुशी की बात है। यह एक तरह से एनर्जी प्रदान करने वाला है। कई सेलेब्रिटीज के लिए काम कर चुके हैं। इन्हें नेशनल लेवल पर बेस्ट मिस्टर बीयर्ड अवॉर्ड भी प्राप्त हो चुका है। इस मौके पर हिंदी सिनेमा के अभिनेता राजेश खट्टर, एक्ट्रेस उदिता गोस्वामी और इंडिया आइडल फेम पीयूष पंवार मौजूद रहे।

दियाकुमारी ने किया भरखमा के पोस्टर का विमोचन

राजस्थानी फिल्मों पर विशेष माहौल बनाने को काम कर रही है सरकार

बेधड़क | जयपुर

श्रवण सागर कल्याण की राजस्थानी फिल्म भरखमा 6 सतंबर को सिनेमाघरों को रिलीज होने वाली है। फिल्म का प्रीमियर छह सितंबर को शाम छह बजे ईपी मिराज में आयोजित किया जाएगा, जिसमें उपमुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री दिया कुमारी मुख्य अतिथि होंगी। दियाकुमारी ने बुधवार को पर्यटन भवन में फिल्म के पोस्टर का विमोचन किया। इस दौरान बगरू विधायक कैलाश वर्मा भी मौजूद रहे। दीयाकुमारी ने कहा कि सरकार राजस्थानी फिल्मों के भविष्य के लिए विशेष कदम उठा रही है। यहां फिल्मों को लेकर विशेष माहौल बने, इस पर काम किया जा रहा है।

श्रवण सागर ने बताया कि फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है। पीवीआर आईनॉक्स में भरखमा राजस्थान के छह बड़े शहरों जयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, कोटा, उदयपुर और जोधपुर में रिलीज हो रही है। फिल्म का निर्देशन एस सागर ने किया है और इसका लेखन आईएएस अधिकारी डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने किया है। फिल्म का संपादन अमित ओझा ने किया है। इसके गीत धनराज दाधीच ने लिखे हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर पीके सोनी ने बताया कि इसमें श्रवण सागर कल्याण, अंजलि राघव, राजवीर गुर्जर, साहिल चंदेल, गरिमा कपूर, जीतेन्द्र चावड़ी, निक्स बोहरा, राज केसोट ,अजय यादव मुख्य भूमिका में है।

समारोह | वार्ड 78 में 200 से अधिक वरिष्ठजनों का किया सम्मान

सामाजिक मेल मिलाप घटने से बुजुर्ग झेल रहे अकेलापन

बेधड़क | जयपुर

'आज की भाग दौड़ वाली जिंदगी में बच्चे या तो घंटो काम में लगे रहते हैं या फिर विदेशों में रहकर नौकरी कर रहे हैं ऐसे में उनके बुजुर्ग माता पिता घर में अकेले रहते हैं। साथ ही आजकल सामाजिक मेल मिलाप कम होने की वजह से उन बुजुर्गों का आस-पड़ोस में भी संवाद कम हो पाता है।' यह बात वार्ड -78 में भारतीय जनता पार्टी खेल प्रकोष्ठ एवं कल्पतरु शिक्षा समिति के सहयोग से आयोजित वरिष्ठ जन सम्मान समारोह में कही। कार्यक्रम में वार्ड-78 में रहने वाले 200 से भी अधिक वरिष्ठजनों का सम्मान माला, शॉल, गीता एवं प्रशस्ति पत्र देकर किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि अयोध्या से आए संत उमाशंकर रहे। कार्यक्रम संयोजक एवं भाजपा खेल प्रकोष्ठ के जिला संयोजक सुनील गौड़ ने बताया भारतीय जनता पार्टी सदैव संस्कारों वाली पार्टी रही है।

मुख्यमंत्री की प्रेरणा से भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता सदैव नवाचारों के माध्यम से आम जन से जुड़ने का प्रयास करता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वार्ड में निवास

करने वाले सभी वरिष्ठ-जन को एक साथ एक मंच पर लाकर वार्ड में रहने वाले अन्य लोगो के साथ संवाद स्थापित करने के साथ ही अब तक के अपने जीवनकाल में इन सभी वरिष्ठ-जन ने जो उपलब्धियां हासिल की हैं, उन्हें समाज के सामने रखना है।

कार्यक्रम में बतौर अतिथि ये हुए शामिल

र्यक्रम में तीन बार लगातार एशियन गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व कर गोल्ड मैडल जीतने वाले ओलम्पियन एवं द्रोणाचार्य अवार्डी श्रीराम सिंह शेखावत, वार्ड पार्षद रवि उपध्याय, वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता राधेश्याम उपध्याय विशिष्ठ अतिथि रहे। वार्ड संयोजक राजकुमार सैनी, भाजपा कार्यकर्त्ता मदन कुमावत, नवीन भंडारी, सत्यप्रकाश तिवाड़ी, याजवेंद्र यादव, मनोज कुमावत विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में शामिल हुए।

महिला शक्ति का रहा विशेष योगदान

कार्यक्रम के सफल आयोजन में महिला शक्ति का विशेष योगदान रहा, जिसमें पायल, वंदना, अंकिता, रीना, क्षिप्रा, शिवानी, मनस्वी, शिवा, कीर्ति, पूनम, संदीप, ईशा,समृद्धि, भूमी, सलोनी मुख्य भूमिका में रहीं। मंच संचालन अजय शर्मा एवं अनीष गौड़ ने किया है। संपूर्ण आयोजन की पृष्ठभूमि में रहे विशाल, पंकज, आशीष, अवनीश, प्रदीप, विजय, नितिन, मेधावी, निशांत, विनय, सिद्धार्थ, तुलसी, देवेंद्र, टीकाराम, निरंजन, राजकुमार, विजय, नन्द किशोर, बनवारीलाल, अनिल, गिर्राज, शंकर ने योगदान दिया।

रूस ने यूक्रेन पर बोला सबसे बड़ा हमला

बैलिस्टिक मिसाइल अटैक में 51 लोगों की मौत

- लोगों को भागने तक का भी नहीं मिला मौका
- जेलेंस्की ने लगाई नाटो और यूरोप से गुहार

एजेंसी | कीव

रूस का यूक्रेन पर सबसे बड़ा हमला हुआ है, जिसमें 51 लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन के अभियोजक जनरल के कार्यालय के मुताबिक मध्य यूक्रेन में एक सैन्य शैक्षणिक सुविधा के खिलाफ रूसी हमले में 51 लोगों की मौत हो गई। 200 से ज्यादा लोग घायल हो गए। यह फरवरी 2022 में रूस के यूक्रेन पर हमले की शुरुआत के बाद से सबसे बड़े अटैक में से एक है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि शुरुआती जानकारी से संकेत मिलता है कि दो बैलिस्टिक मिसाइलों ने मंगलवार सुबह पोल्टावा शहर और पास के एक अस्पताल पर हमला किया। जेलेंस्की ने एक बयान में कहा, 'हम दुनिया में हर उस व्यक्ति से बार-बार कहते हैं, जिसके पास इस आतंक को रोकने की ताकत है। यूक्रेन में वायु रक्षा प्रणालियों और मिसाइलों की जरूरत है न कि किसी गोदाम में।' पोल्टावा क्षेत्र के सैन्य प्रशासन के प्रमुख फिलिप प्रोनिन ने टेलीग्राम पर मृतकों की संख्या की घोषणा करते हुए कहा कि बचाव दल घटनास्थल पर मलबे को हटाना और खोजना जारी रखे हुए है। उन्होंने कहा कि अधिकारी मानते हैं कि मलबे में 18 लोग और दबे हो सकते हैं।

हमले से 10 बिल्डिंग को नुकसान

उन्होंने कहा कि पोल्टावा में कम से कम 10 आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। वहीं रूस ने अभी तक हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक जाने-माने रूसी सैन्य ब्लॉगर व्लादिमीर रोगोव ने मंगलवार को पहले बताया था कि रूस ने पोल्टावा में एक सैन्य स्कूल पर हमला किया है। हमले के बारे में बोलते हुए जेलेंस्की ने अपने पश्चिमी सहयोगियों से यूक्रेन को अधिक हवाई सुरक्षा प्रदान करने वाले हथियार देने को कहा। साथ ही उस प्रतिबंध को हटाने को कहा, जिसके तहत यूक्रेन पश्चिमी हथियारों से रूस में हमला नहीं कर सकता।

पैट्रियट मिसाइल को गोदामों में रखने से क्या फायदा: जेलेंस्की

रूस के इस घातक हमले के बाद जेलेंस्की नाटो के सामने गिड़गिड़ाते नजर आए. उन्होंने कहा कि हम दुनिया के उन सभी देशों से बार-बार गुहार लगा रहे हैं, जिनके पास इस रूसी आतंक को रोकने की ताकत है. एयर डिफेंस सिस्टम और पैट्रियट मिसाइलों की जरूरत यूक्रेन में है, न कि कहीं गोदाम में। आखिर पैट्रियट डिफेंस सिस्टम-मिसाइलों को गोदाम में रखने का क्या फायदा। जेलेंस्की ने खुद कन्फर्म किया कि मंगलवार सुबह रूसी हमले में एक इमारत और एक अस्पताल पर दो बैलेस्टिक मिसाइलें दागी गईं।

यूक्रेन ने नाटो समेत पश्चिमी देशों से क्या मांग की?

रूसी अटैक के बाद जेलेंस्की ने फिर से नाटो समेत पश्चिमी देशों से अपनी पुरानी मांग दोहराई। जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों से अपील की कि वे यूक्रेन को और एयर डिफेंस दें और रूस के अंदर हमला करने के लिए यूक्रेनी सेना द्वारा उनके हथियारों का इस्तेमाल करने पर लगे प्रतिबंधों को हटा दें। उन्होंने कहा कि हमें रूसी हमलों से खुद को बचाने के लिए लंबी दूरी तक हमला करने वाले सक्षम हथियारों की जरूरत अभी है, बाद में नहीं। दुर्भाग्य से इसमें जितनी देरी होगी, उतने ही लोगों की मौत होगी।

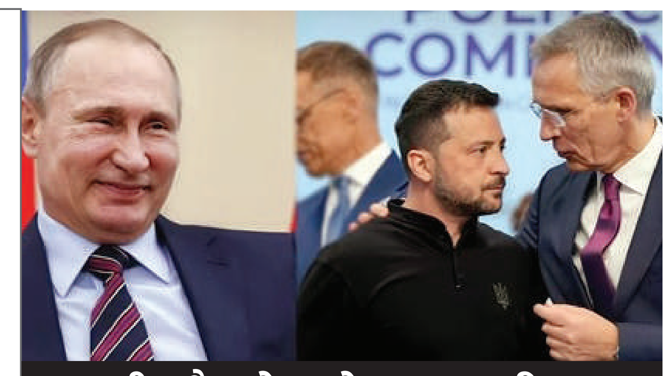

रूसी अटैक से बचने का क्या तरीका?

वहीं, यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने कहा कि रूसी मिसाइल बहुत कम समय में अपने टारगेट तक पहुंच गई। अधिकारियों की मानें तो लोग जब बम शेल्टर यानी बंकरों में घुसने की कोशिश कर रहे थे, तभी उन पर बैलेस्टिक मिसाइल से हमला हुआ। विदेश मंत्री कुलेबा की मानें तो उन रूसी मिसाइलों को रोकने का एकमात्र तरीका पैट्रियट सिस्टम या एक SAMP/T एयर डिफेंस सिस्टम था, क्योंकि वे ही एकमात्र ऐसे सिस्टम हैं, जो बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने में सक्षम हैं। उन्होंने आगे कहा, 'इन्हें रोकने का एकमात्र तरीका पैट्रियट सिस्टम या SAMP/T एयर डिफेंस सिस्टम थी, क्योंकि वह ही बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने में सक्षम है।' यूक्रेन को अमेरिका और जर्मनी से पैट्रियट मिसाइल सिस्टम मिले हैं। हालांकि यूक्रेन कहता रहा है कि यह संख्या कम है।

भारतीयों के कनाडा जाने के सपने पर लगेगा ग्रहण

जस्टिन ट्रूडो लगा रहे बाहरी लोगों की एंट्री पर रोक!

एजेंसी | ओटावा

कनाडा की जस्टिन ट्रूडो सरकार देश में बाहर से आने वाले लोगों की संख्या को कम करने के लिए सख्त उपाय अपना रही है। इसमें आधिकारिक और अनौपचारिक दोनों तरह के कदम शामिल हैं। इसका असर भारतीयों पर सबसे ज्यादा पड़ने वाला है, जो यहां पर आने वाला प्रमुख आप्रवासी समुदाय है।

दरअसल कनाडा में आप्रवासन एक राजनीतिक मुद्दा बन गया है और ट्रूडो सरकार को इसे लेकर मतदाताओं के भारी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, हाल के महीनों में स्वीकृत किए गए विजिटर वीजा आवेदनों की तुलना में अस्वीकृत किए गए विजिटर वीजा आवेदनों का अनुपात कोरोना महामारी के चरम पर पहुंचने के बाद से किसी भी समय की तुलना में अधिक था।

रिपोर्ट बताती है कि जनवरी, फरवरी, मई और जून 2024 में आप्रवासन अधिकारियों ने जितने आवेदनों को मंजूरी दी, उससे कहीं ज्यादा खारिज किए। इस दौरान वर्क परमिट और स्टडी परमिट की संख्या में भी गिरावट आई। जुलाई में कनाडा ने वर्कर और पर्यटकों समेत 6000 विदेशियों को वीजा देने से मना कर दिया।

चुनाव के पहले दबाव में ट्रूडो सरकार

कनाडा में एक साल के भीतर संघीय चुनाव होने वाले हैं। विपक्षी नेताओं ने ट्रूडो की आप्रवासन नीति पर सवाल उठाए हैं। सर्वेक्षणों में आगे चल रही कंजर्वेटिव पार्टी के नेताओं ने ट्रूडो सरकार पर देश में बहुत अधिक लोगों को जल्दी आने देने के आरोप लगाया है। जस्टिन ट्रूडो और मार्क मिलर ने कनाडा के आर्थिक विकास का हवाला देते हुए उच्च आव्रजन की आवश्यकता बताई है लेकिन दोनों ने स्वीकार किया है कि अप्रवासियों की संख्या ने संकट को बढ़ाने में योगदान दिया है।

ट्रूडो ने भी कही कमी करने की बात

उसी सप्ताह प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि उनकी सरकार अस्थाई विदेशी कर्मचारियों की संख्या में कमी लाएगी। कनाडा के रोजगार और सामाजिक विकास विभाग के अनुसार पिछले साल नियोक्ताओं को 2,39,646 विदेशी कर्मचारियों को नियुक्त करने की मंजूरी दी गई थी जो 2018 में नियुक्त 1,08,988 से दोगुने से भी ज्यादा है। नियोक्ता फास्ट फूड और निर्माण समेत नए क्षेत्रों में पदों को तेजी से भर रहे हैं। उदाहरण के लिए, स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में कम वेतन वाली नौकरियों के लिए नियुक्त लोगों की संख्या 2018 से 15,000 प्रतिशत से अधिक बढ़ गई है।

उत्तर कोरिया में बाढ़ से सैकड़ों की मौत, तानाशाह भड़का

किम ने 30 अधिकारियों को फांसी पर लटकाया

एजेंसी | प्योंगयांग

उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन का तानाशाही चेहरा फिर उजागर हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, देश में बाढ़ को रोकने में विफल होने के कारण 30 सरकारी अधिकारियों को फांसी पर लटका दिया। कुछ और अधिकारियों को मौत की सजा देने का आदेश दिया गया है। आपको बता दें कि बाढ़ में उत्तर कोरिया में अब तक 1000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। चागांग प्रांत में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण सबसे अधिक मौतें हुई हैं।

चोसुन टीवी ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि उत्तर कोरिया की सरकार ने उन अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की कसम खाई है, जिनके ऊपर आरोप हैं कि वे मृतकों की संख्या को रोकने में असफल रहे हैं। चोसुन टीवी ने एक उत्तर कोरियाई अधिकारी का हवाला देते हुए बताया कि जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा का सामना करना पड़ेगा। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि पिछले महीने के अंत में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के 20 से 30 अधिकारियों को एक साथ मार दिया गया था।

उत्तर कोरियाई केंद्रीय समाचार एजेंसी (केसीएनए) ने बताया कि किम जोंग उन ने जुलाई में चीन की सीमा के पास चागांग प्रांत में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद अधिकारियों को कड़ी सजा देने का आदेश दिया था। केसीएनए के अनुसार, सिनुइजू में आयोजित एक आपातकालीन पोलित ब्यूरो बैठक में किम जोंग उन ने अपने अधिकारियों से उन लोगों को सख्ती से दंडित करने के लिए कहा था, जिन्होंने आपदा प्रबंधन के लिए अपनी जिम्मेदारियों की उपेक्षा की।

जुलाई में उत्तर-पश्चिमी प्रांत में भयंकर बाढ़ आई थी, जिससे हजारों निवासी बेघर हो गए और कई लोगों की मौत हो गई। दक्षिण कोरियाई मीडिया के मुताबिक, बाढ़ से मरने वालों की संख्या 1,000 से अधिक हो सकती है।

व्लादिमीर पुतिन का वैज्ञानिकों को आदेश

'बुढ़ापा रोकने वाली दवा बनाओ'

एजेंसी | मॉस्को

यूक्रेन से चल ही भीषण जंग के बीच राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रूसी वैज्ञानिकों को बुढ़ापा रोकने की दवाई बनाने का आदेश दिया है। ऐसी रिपोर्ट है कि पुतिन अपनी और सरकार में बूढ़े हो रहे कई मंत्रियों की ढलती उम्र को रोकना चाहते हैं।

रूस के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसी साल जून महीने में वैज्ञानिकों को ये निर्देश दिए। इसके लिए टारगेट भी तय है। साल 2030 तक 1,75,000 बूढ़ों को जवान बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उधर, पुतिन सरकार का लेटर पाकर वैज्ञानिकों ने हैरानी जताई है और कहा है कि यह पहली बार है, जब इतने कम नोटिस पर ऐसा आदेश मिला।

लंदन व सिंगापुर में शोधकर्ता कर चुके हैं दावा

पिछले महीने एमआरसी लैबोरेटरी ऑफ मेडिकल साइंस, इंपीरियल कॉलेज लंदन और सिंगापुर में ड्यूक-एनयूएस मेडिकल स्कूल के शोधकर्ताओं ने एक ऐसी दवा की खोजने का दावा किया था, जो बूढ़े को जवान बनाने में कारगर साबित हो सकती है। शोधकर्ताओं ने प्रयोगशाला में एक चूहे पर एक्सपेरिमेंट किया और पाया कि दवाई के बाद चूहा बूढ़े से जवान हो गया। वैज्ञानिकों ने पाया कि दवाई पशुओं की आयु को लगभग 25% तक बढ़ा सकती है। हालांकि इसका उपयोग अभी किसी इंसान पर नहीं किया गया है।

पुतिन के पत्र पर क्या बोले रूसी वैज्ञानिक

जून में मिले पत्र पर एक रूसी वैज्ञानिक ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि किस प्रकार हमसे ऐसी दवाई तैयार करने के लिए दबाव डाला जा रहा है, जो बूढ़े को जवान कर दे। उन्होंने कहा कि इसके लिए समय सीमा काफी कम निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा, 'उन्होंने हमसे सभी प्रस्तावों को तेजी से पूरा करने को कहा है। ईमानदारी से कहूं तो, यह पहली बार है, क्योंकि आमतौर पर, किसी भी राष्ट्रीय परियोजना को पूरा करने के निर्देश देने से पहले विशेषज्ञों की बैठकें होती हैं और फिर बात आदेश दिए जाते है। इस बार ऐसा बिल्कुल नहीं हुआ।'

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

“सच बेधड़क” दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl